18 June -26 page 1 17-06-26 10:42 PM Page 1

दैनिक
# करंट क्राइम
www.currentcrime.com
सिर्फ सच...
दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

● नई दिल्ली गुरुवार 18 जून -2026 ● वर्ष : 11 अंक : 175 पेज-08 ● RNI NO. DELHI/2015/65364 ● मूल्य : ₹3

## 2027 की तैयारियों में जुटीं मायावती!
### लखनऊ में की ओबीसी नेताओं के साथ बैठक

**लखनऊ।** बहुजन समाज पार्टी सुप्रीमो मायावती ने 2027 विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर लखनऊ में संगठनात्मक समीक्षा बैठक की। इस मीटिंग में ओबीसी समाज के बीच पार्टी का जनाधार बढ़ाने पर खास जोर दिया गया। मायावती ने पार्टी नेताओं को निर्देश दिया कि वे जमीनी स्तर पर कैंपेन तेज करें, बीएसपी की नीतियों, कार्यक्रमों और उपलब्धियों को ओबीसी समाज तक प्रभावी ढंग से पहुंचाएं।

मायावती ने भरोसा जताया कि साल 2007 की तरह ओबीसी समाज का ऐतिहासिक समर्थन एक बार फिर बीएसपी को मिलेगा। उन्होंने कहा कि ओबीसी समाज का वास्तविक हित, सम्मान और कल्याण बीएसपी में ही सुरक्षित है। मायावती ने दावा किया कि तमाम विरोधी दलों की सरकारों को आजमाने के बाद जनता के सामने सच्चाई स्पष्ट हो चुकी है।

बीएसपी प्रमुख ने कहा कि दलित समाज की तरह ओबीसी समाज के विकास और उत्थान में भी पार्टी का योगदान ऐतिहासिक रहा है।

## मोहर्रम को लेकर प्रशासन अलर्ट
### 87 ताजियों की निगरानी, 20 जून तक पूरी होंगी सभी तैयारियां

**ताजियों की ऊंचाई 12 फीट से अधिक नहीं होगी, नई परंपरा पर रोक**

**मोहर्रम को सौहार्द, अनुशासन और शांति के साथ मनाने की अपील**

**गाजियाबाद, करंट क्राइम।** मोहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन और पुलिस ने तैयारियां तेज कर दी हैं। बुधवार को महात्मा गांधी सभागार, कलेक्ट्रेट में आयोजित संयुक्त बैठक में जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मॉंदड़ और अपर पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) राज करन नैय्यर ने साफ संदेश दिया कि सुरक्षा, परंपरा और अनुशासन से किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। बैठक में मुस्लिम समाज के प्रतिनिधियों, ताजिया आयोजकों और विभिन्न क्षेत्रों के गणमान्य नागरिकों ने भाग लिया। प्रतिनिधियों ने करबला स्थलों की साफ-सफाई, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, सड़क मरम्मत, गड्ढामुक्त मार्ग और झूलते बिजली के तारों को दुरुस्त कराने की मांग रखी। इस पर जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि 20 जून तक सभी व्यवस्थाएं हर हाल में पूरी कर ली जाएं। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मॉंदड़ ने कहा कि गाजियाबाद में सभी धर्मों के पर्व हमेशा भाईचारे और आपसी सहयोग के साथ संपन्न होते रहे हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि मोहर्रम भी शांति, सौहार्द और अनुशासन के साथ मनाया जाएगा।

उन्होंने स्पष्ट किया कि ताजियों की ऊंचाई भूमि स्तर से 12 फीट से अधिक नहीं होगी और किसी भी प्रकार की नई परंपरा शुरू नहीं की जाएगी। सभी आयोजन पूर्व से चली आ रही परंपराओं के अनुसार ही संपन्न होंगे। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि यदि किसी स्थान पर ध्वनि विस्तारक यंत्र या डीजे का प्रयोग किया जाता है तो उसकी आवाज निर्धारित मानकों के अनुरूप रखी जाए। साथ ही आयोजन समितियों से अपने स्वयंसेवकों की सूची प्रशासन और पुलिस को उपलब्ध कराने को कहा गया, ताकि सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाया जा सके।

## क्राइम कंट्रोल पर पुलिस कमिश्नर का सख्त एक्शन प्लान
### स्नैचिंग और गोविंदपुरम की घटनाओं पर अधिकारियों को किया राइट

**- मोहर्रम से पहले कानून-व्यवस्था की समीक्षा, अब रोजाना होगी अपराध की मॉनिटरिंग**

**- जूम मीटिंग के दौरान अपराध नियंत्रण और मोहर्रम की तैयारियों की समीक्षा की**

**गाजियाबाद, करंट क्राइम :** पुलिस कमिश्नरेट में बढ़ते अपराधों और आगामी मोहर्रम पर्व को लेकर मंगलवार देर रात आयोजित जूम मीटिंग में पुलिस कमिश्नर जे रविंदर गौड पूरी तरह एक्शन मोड में नजर आए।

करीब सभी जोन और सर्किल के अधिकारियों के साथ हुई समीक्षा बैठक में पुलिस कमिश्नर ने साफ कर दिया कि अपराध नियंत्रण में किसी भी स्तर की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में एडिशनल सीपी, डीसीपी, एसीपी और थाना प्रभारी शामिल हुए। पुलिस कमिश्नर ने हाल के दिनों में सामने आई कई प्रमुख घटनाओं की समीक्षा की।

खासतौर पर गोविंदपुरम चौकी क्षेत्र में पुजारी से मारपीट की घटना और इंदिरापुरम क्षेत्र में लगातार हो रही चेन स्नैचिंग की वारदातों को लेकर नाराजगी जाहिर की। पुलिस कमिश्नर ने अधिकारियों से कहा कि जनता का विश्वास बनाए रखना पुलिस की प्राथमिक जिम्मेदारी है। यदि किसी क्षेत्र में लगातार अपराध हो रहे हैं तो संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय होगी।

उन्होंने सभी थाना प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में सक्रिय पुलिसिंग बढ़ाने, बीट सिस्टम को मजबूत करने और अपराधियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। बैठक में एक बड़ा निर्णय लेते हुए पुलिस कमिश्नर ने अपराध समीक्षा की नई व्यवस्था लागू करने के निर्देश दिए। अब प्रत्येक जोन और सर्किल के डीसीपी एवं एसीपी स्तर के अधिकारी अपने क्षेत्र में हुई प्रमुख आपराधिक घटनाओं की दैनिक रिपोर्ट एडिशनल सीपी राजकरन नैय्यर को देंगे। इसके बाद एडिशनल सीपी प्रतिदिन रात आठ बजे अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर अपराध और कानून-व्यवस्था की स्थिति का आकलन करेंगे।

आगामी मोहर्रम को लेकर भी विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए। संवेदनशील क्षेत्रों में अतिरिक्त पुलिस बल, खुफिया निगरानी और सोशल मीडिया मॉनिटरिंग को प्रभावी बनाने के लिए कहा गया है। पुलिस कमिश्नर ने स्पष्ट किया कि त्योहारों के दौरान किसी भी प्रकार की शांति भंग करने की कोशिश करने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई होगी।

### गोविंदपुरम चौकी पर पुलिस कमिश्नर सख्त

करंट क्राइम : गोविंदपुरम चौकी क्षेत्र में हाल ही में पुजारी के साथ मारपीट की घटना और लगातार सामने आ रही आपराधिक गतिविधियों को लेकर पुलिस कमिश्नर ने नाराजगी जताई। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि यदि वर्तमान संसाधनों से अपराध नियंत्रण नहीं हो पा रहा है तो क्षेत्र में अतिरिक्त चौकियां स्थापित करने का प्रस्ताव तैयार किया जाए। उन्होंने यहां तक कहा कि जरूरत पड़ने पर एक के बजाय दो से तीन नई चौकियां भी बनाई जा सकती हैं। क्षेत्र में गश्त, बीट पुलिसिंग और निगरानी बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं।

### इंदिरापुरम में स्नैचिंग पर जवाबदेही तय होगी

करंट क्राइम : इंदिरापुरम थानाक्षेत्र में लगातार सामने आ रही चेन स्नैचिंग की घटनाओं को पुलिस कमिश्नर ने गंभीरता से लिया। बैठक में साफ निर्देश दिए गए कि ऐसी घटनाओं के लिए केवल थाना प्रभारी ही नहीं बल्कि संबंधित बीट पुलिसकर्मी भी जवाबदेह होंगे। यदि किसी क्षेत्र में स्नैचिंग की घटनाएं लगातार होती हैं और पुलिस की लापरवाही सामने आती है तो संबंधित पुलिसकर्मियों के खिलाफ निलंबन सहित कठोर कार्रवाई की जाएगी। पुलिस कमिश्नर ने अपराधियों की पहचान कर उनके खिलाफ प्रभावी अभियान चलाने के निर्देश भी दिए।

### अब रोजाना रात 8 बजे होगी क्राइम की मॉनिटरिंग

करंट क्राइम : पुलिस कमिश्नर की बैठक के बाद अपराध नियंत्रण को लेकर नई मॉनिटरिंग व्यवस्था लागू की गई है। अब सभी जोन के डीसीपी और सर्किल के एसीपी अपने-अपने क्षेत्रों में होने वाली प्रमुख आपराधिक घटनाओं, कानून-व्यवस्था और संवेदनशील मामलों की रिपोर्ट प्रतिदिन एडिशनल सीपी राजकरन नैय्यर को देंगे। इसके बाद रोजाना रात 8 बजे एडिशनल सीपी सभी संबंधित अधिकारियों के साथ क्राइम रिव्यू बैठक करेंगे। बैठक में दिनभर की प्रमुख घटनाओं, अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई, लंबित मामलों और कानून-व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा की जाएगी। पुलिस मुख्यालय का मानना है कि दैनिक मॉनिटरिंग से अपराध नियंत्रण में तेजी आएगी और अधिकारियों की जवाबदेही भी तय होगी।

## गाजियाबाद में विशेष पहचान छोड़ने वाले शैलेंद्र सिंह और नितिन मदान हुए आईएएस पर प्रमोट
### किसान आंदोलन में दोनों ने संभाली थी प्रमुख जिम्मेदारी

**गाजियाबाद, करंट क्राइम :** अपनी कार्यशैली, जनसरोकारों और प्रशासनिक दक्षता की छाप छोड़ने वाले पीसीएस अधिकारियों शैलेंद्र कुमार सिंह और नितिन मदान को भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) कैडर में पदोन्नत किए जाने पर जिले में खुशी का माहौल है। दोनों अधिकारियों को लगातार बधाइयां मिल रही हैं और सामाजिक, राजनीतिक व प्रशासनिक क्षेत्र के लोग उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना कर रहे हैं। वर्तमान में यमुना विकास प्राधिकरण में ओएसडी के पद पर तैनात शैलेंद्र कुमार सिंह गाजियाबाद में एसडीएम सदर और एडीएम सिटी जैसे महत्वपूर्ण पदों पर अपनी सेवाएं दे चुके हैं। अपने शांत, संतुलित और जनहितैषी रवैये के कारण उन्होंने जनता के बीच विशेष पहचान बनाई। कोविड-19 महामारी के कठिन दौर में एडीएम सिटी के रूप में उन्होंने राहत कार्यों, जनसुनवाई और प्रशासनिक व्यवस्थाओं को प्रभावी ढंग से संचालित कर लोगों का भरोसा जीता। वहीं एसडीएम सदर के रूप में किसानों की समस्याओं के समाधान और संवाद स्थापित करने में उनकी भूमिका सराहनीय रही। आईएएस में पदोन्नति से पूर्व शैलेंद्र कुमार सिंह गौतमबुद्ध नगर और रामपुर में एडीएम के पद पर भी अपनी सेवाएं दे चुके हैं। प्रशासनिक कार्यों में उनकी दक्षता और निर्णय क्षमता हमेशा चर्चा का विषय रही है।

वहीं नितिन मदान भी पश्चिमी उत्तर प्रदेश के चर्चित और सक्रिय अधिकारियों में गिने जाते हैं। किसान आंदोलन के दौरान उन्होंने गौतमबुद्ध नगर (नोएडा) में एडीएम के रूप में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाईं। आंदोलन के संवेदनशील दौर में उन्होंने शासन, प्रशासन और किसान संगठनों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने में अहम भूमिका निभाई थी। किसान आंदोलन के दौरान शैलेंद्र सिंह और नितिन मदान दोनों ही अधिकारियों ने अपने-अपने स्तर पर चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में प्रशासनिक जिम्मेदारियों का सफल निर्वहन किया। उनकी कार्यशैली, व्यवहार कुशलता और जनता के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण ने उन्हें एक अलग पहचान दिलाई।

बीते दिनों दोनों अधिकारियों को पीसीएस से आईएएस कैडर में पदोन्नत किया गया है। इसके बाद से उन्हें बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है। प्रशासनिक हलकों में माना जाता है कि दोनों अधिकारियों की कार्यशैली, मिलनसार व्यवहार और जमीनी स्तर पर समस्याओं के समाधान की क्षमता ही उनकी सबसे बड़ी ताकत रही है। यही कारण है कि गाजियाबाद समेत पश्चिमी उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों में आज भी लोग उन्हें सम्मान और स्नेह के साथ याद करते हैं।

## मुश्किल होगा 2027 के चुनावी रण में सांसद अतुल गर्ग को इग्नोर कर पाना
### एक्टिविटी की कनेक्टिविटी कभी साहिबाबाद तो कभी है धौलाना

**गाजियाबाद, करंट क्राइम।** राजनीति के चक्रव्यूह की संरचना अब शुरू हो चुकी है। राजनीति में सबसे अहम चीज ये है कि किसकी कहां चलेगी।

दावेदार तो तैयार हैं लेकिन सवाल ये है कि इन दावों में ऊर्जा का संचार कौन करेगा। दावा करना कार्यकर्ता का हक है। टिकट मांगना कार्यकर्ता का हक है लेकिनइस हक में पॉलिटिकल लक का तड़का कौन लगायेगा ये बड़ी बात है। दावेदारी की बात करें तो साहिबाबाद में अजय शर्मा ने अपनी दावेदारी का लंगर डाल दिया है। वो मौजूदा में खोट निकाल रहे हैं और खुद के लिए सपोर्ट मांग रहे हैं। मुरादनगर की बात करें तो यहां महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल कह चुके हैं कि उनकी बिरादरी का एक बड़ा वोट बैंक यहां है। शहर सीट पर संजीव शर्मा विधायक हैं लेकिन यहां मयंक गोयल की दावेदारी का भी शोर सुनाई देता है। साहिबाबाद में कभी कभी ठाकुर फैक्टर की बात चलने लगती है। इन सभी विधानसभाओं को जोड़कर लोकसभा की सीट बनती है।

लोकसभा में सांसद अतुल गर्ग हैं। अतुल गर्ग की एक बड़ी भूमिका 2027 के विधानसभा चुनाव में रही। अगर अतुल गर्ग के पॉलिटिकल ट्रैक रिकॉर्ड पर नजर डालें तो राजनीति के जानकार इस बात को बखूबी समझ सकते हैं कि अतुल गर्ग केवल एक सांसद नही हैं। वो भाजपा के राजनीति के प्रभावशाली चेहरों के रूप में अपनी जगह बना चुके हें। वो गाजियाबाद के सांसद हैं और ऐसे सांसद हैं जो राष्ट्रपति के साथ विदेश दौरे पर जाते हैं। वो ऐसे सांसद हैं जो अंतर्राष्ट्रीय संबंधों को ठीक करने वाले प्रतिनिधि मंडल का हिस्सा बनकर तीन देशों की यात्रा करते हैं। वो ऐसे सांसद हैं जिन्हें दिल्ली विधानसभा चुनाव में दिल्ली प्रदेश का सहप्रभारी बनाया जाता है। यहां कमाल ये होता है कि दिल्ली की जंग फतेह हो जाती है। अतुल गर्ग पश्चिम बंगाल में भेजे जाते हैं और भाजपा सरकार बन जाती है। लिहाजा ये तो स्पष्ट है कि वो भाजपा की राजनीति के पावरफुल फेस बन चुके हैं। वो राष्ट्रीय नेतृत्व की गुडबुक के नेता हैं। अब इसका सीधा सा गणित ये है कि गाजियाबाद की विधानसभा सीटों पर अतुल गर्ग का दखल रहेगा। उन्हें इग्नोर करके टिकट पाना आसान नहीं होगा। अतुल गर्ग भी पूरी तरह से एक्टिव चल रहे हैं। वो साहिबाबाद विधानसभा में जाते हें एक कनैक्टिविटी बनाते हें। वो खोड़ा में जाते हैं और लोगों से मिलकर उनके दुख में सहानुभूति जताते हैं। वो शहर की पुरानी रामलीला में जाते हैं और एक संवाद कायम करते हैं। वो बाजार में जाते हैं और व्यापारियों से बात करते हैं। नदियापार से लेकर बीच शहर के बाद वो अब उस विधानसभा की ओर मूव कर रहे हैं जहां का चुनावी किस्सा सब जानते हैं। धौलाना में वो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सफल कार्यकाल की उपलब्धियां बता रहे हैं। 9 अलग अलग स्थानों पर उन्होंने ये उपलब्धियां बताई हैं। ऐसे में अब जब अतुल गर्ग एक्टिविटि के साथ साथ कनैक्टिविटी का एक चैनल तैयार कर रहे हैं तो यहां एक सीधा संदेश हैं कि वो पावर का एक बड़ा सेंटर बन चुके हैं। विधानसभा चुनाव में उनकी दखल रहेगी और शब्दों में बात ये है कि उन्हें यहां बाईपास करना उनके विरोधियों के लिए भी इतना आसान नहीं होगा।

### सियासत के बदलेंगे मोहरे तो कौन रहेंगे चेहरे

करंट क्राइम। लोकसभा से ही विधानसभा का रास्ता तय होना है। इसमें कोई दोराय नही है कि ये एक परिपाटी भी है कि विधानसभा के चुनावों के लिए सांसद की संस्तुति ली ही जायेगी। इसका मुलाहिजा विधानसभा उपचुनाव में हो चुका है। अंत में वही नाम आया जो सांसद की पसंद का नाम बताया जा रहा था। संजीव शर्मा को टिकट मिला ओर वो बड़ी आसानी से चुनाव जीत गये। हरविधानसभा में दावेदारी का शोर सुनाई दे रहा है। इन सबके बीच एक चर्च चलती है कि विधानसभा में चेहरे बदले जा चुके हैं। चेहरों से पहले मोहरों का नम्बर आयेगा। यानी मोहरों के रूप में बिरादरी का समीकरण आयेगा, सिफारिश का समीकरण आयेगा। ऐसे में सांसद की पसंद का इफैक्ट दिखाई देगा।

## अपनी जिम्मेदारी से बच नहीं सकते राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय

**मनोज गुप्ता**
संपादक करंट क्राइम

**गाजियाबाद, करंट क्राइम।** आज भाजपा जहां पर खड़ी है उसकी एक प्रमुख वजह अयोध्या में श्री राम मंदिर निर्माण है। 1984 में बीजेपी के सिर्फ दो सांसद हुआ करते थे लेकिन लेकिन तत्कालीन पार्टी अध्यक्ष लालकृष्ण आडवाणी की रथ यात्रा और उसके बाद राम जन्मभूमि आंदोलन से भाजपा जिस ऊंचाई पर पहुंची, उसे फिर पीछे मुड़कर देखना की जरूरत नहीं पड़ी। राम जन्मभूमि पर विशाल और भव्य मंदिर बनने के बाद राजनीतिक पंडितों के बीच इस बात को लेकर चर्चा तेज हो गई थी कि अब चुनाव में जाने के लिए भाजपा के पास क्या है। पार्टी के रणनीतिकार भी इसे समझ रहे थे और पार्टी की नीतियों में लगातार बदलाव होती रही है। यूं कहे कि पिछले एक साल के दौरान देश के जिन-जिन राज्यों में विधानसभा या उपचुनाव हुए हैं वहां कहीं भी भाजपा नेताओं ने एक बार भी राम मंदिर का जिक्र नहीं किया। हाल ही में हुए पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में भी भाजपा नेताओं ने कहीं भी राम मंदिर और इसके संचालन पर कोई बयान नहीं दिया। अब एक बार फिर राम मंदिर चर्चा में है लेकिन इस चर्चा से बीजेपी खेमा परेशान है। वहीं दूसरी और विपक्षी पार्टियों खासकर उत्तर प्रदेश की समाजवादी पार्टी और कांग्रेस राम मंदिर को लेकर चर्चा करने का कोई मौका छोड़ता नहीं जाएगी। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव और कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने इस पर काम करना भी शुरू कर दिया है। दरअसल चर्चा राम मंदिर को लेकर नहीं बल्कि उसके संचालन और चढ़ावे को लेकर कथित घोटाले को लेकर हो रही है। जब से समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने इस मुद्दे को उठाया तब से बीजेपी ना तो इस मुदे पर कुछ बोल रही है और नहीं बोल पा रही है। इसमें कोई दो राय नहीं है कि विपक्षी दल खासकर कांग्रेस और समाजवादी पार्टी 2027 विधानसभा चुनाव तक इस मुद्दे को जिंदा रखना चाहेगी वहीं बीजेपी इस मुद्दे पर बैक फुट पर रहने की पूरी कोशिश करेगी। इसका उदाहरण प्रदेश सरकार के कदम से देखा जा सकता है। प्रदेश सरकार की ओर से चढ़ावे के गबन को लेकर विशेष जांच दल यानी एसआईटी का गठन किया गया है एसआईटी की टीम ने बुधवार को राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय से पूछताछ की। चंपत राय के जिम्मे राम मंदिर में आने वाले चढ़ावे की देखरेख और उसे बैंक तक जमा करवाने की व्यवस्था है। इसके लिए कई कर्मचारियों की नियुक्ति की गई है जो हर रोज चढ़ावे की रकम को गिन कर बैंक तक जमा करने का काम करते हैं। अचानक एक दिन इस बात का खुलासा हुआ कि चढ़ावे की गिनती करने वाले कर्मचारियों के बैंक खातों में लाखों रुपए जमा हो गए। उनके आलीशान मकान बन गए। काम में लगे रामशंकर यादव उर्फ टीनू के बैंक अकाउंट की जब जांच की गई तो अप्रत्याशित तरीके से रुपए जमा करने की बात सामने आई यही से चढ़ावे की रकम में गबन का मामला सामने आ गया।

दरअसल, पिछले साल हुए महाकुंभ और इस साल माघ मेले के समय जब प्रयागराज से करोड़ों की संख्या में श्रद्धालु अयोध्या दर्शन के लिए भी पहुंचे, तो चढ़ावे की राशि में बेशुमार बढ़ोतरी हुई। कथित गबन करने वालों के लिए यह समय बहुत सुनहरा साबित हुआ और गिनती करने वाले लोगों ने इसका फायदा उठाते हुए एक-एक दिन में 10 से 15 लाख रुपये तक चंदे की राशि से पार किए।

माघ मेले से अब तक सैकड़ो करोड़ों रुपए चढ़ावे की धनराशि से निकाल लिए गए।

जाहिर है इतना बड़ा घपला किसी एक व्यक्ति के बस की बात नहीं है। यह कई लोगों का काम हो सकता है। जांच में यह बात भी सामने आई है कि जब हर दिन मिलने वाले चढ़ावे की गिनती की जिम्मेदारी स्टेट बैंक को मिली थी तो फिर रकम को गिनने की जिम्मेदारी आउटसोर्सिंग कंपनी को क्यों दी गई थी। ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय क्या इस जिम्मेदारी से खुद को अलग कर पाएंगे। दूसरी बात आउटसोर्सिंग कंपनी में उन्हीं लोगों को नोटों की गिनती के लिए रखा गया जो ट्रस्ट के सदस्यों के नाते रिश्तेदार थे।

ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय अक्सर कहां करते थे कि चढ़ावे की रकम में पारदर्शिता बनाने के लिए कई व्यवस्थाएं की गई है। लेकिन अब जब घोटाले की बात सामने आ गई है तो वह व्यवस्थाएं क्या थी जिस पर चंपत राय दावा कर रहे थे। दूसरे और चढ़ावे को लेकर इतने बड़े पैमाने पर व्यवस्थाएं फैली थी और रकम इधर-उधर की जा रही थी तो क्या सरकार को इसकी जानकारी नहीं थी जबकि राम मंदिर न्यास समिति के अध्यक्ष प्रधानमंत्री के बहुत ही विश्वासपात्र नृपेंद्र मिश्रा है।

राम मंदिर दान में हुए घोटाले ने राम मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था की कमियों पर भी सवाल उठा दिए हैं। मंदिर परिसर में सीसीटीवी कैमरे लगे थे। जिसकी हर रोज मॉनिटरिंग होने का दावा किया गया लेकिन क्या सीसीटीवी फुटेज को कभी नहीं देखा गया क्या फुटेज में किसी कर्मचारियों को वापस घर जाते समय चेक नहीं किया गया। या जानबूझकर सीसीटीवी फुटेज को नहीं देखा जा रहा था यह सारे ऐसे सवाल है जो ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय को आने वाले दिनों में अवश्य देना होगा। चंपत राय ही वह व्यक्ति है जो राम मंदिर की सारी व्यवस्थाओं की निगरानी करने वाले ट्रस्ट के कर्ताधर्ता है ऐसे में वह अपनी जिम्मेदारी से कैसे भाग सकते हैं।

प्रकरण के सामने आने के बाद शुरूआत में ट्रस्ट ने इस मामले को बेहद गोपनीयता के साथ दबाए रखा था। इस विवाद ने सार्वजनिक रूप से तब तूल पकड़ा जब समाजवादी पार्टी के मुखिया और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने दान के करोड़ों रुपये गायब होने का खुला आरोप लगाया। अब देखना है कि एसआईटी जांच किस और जाती है। क्या जांच में किसी को दोषी पाया जाएगा क्या जांच अपने निष्कर्ष तक पहुंच पाएगी। यह सवाल इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि 2027 में उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव है और यह मुद्दा एक प्रमुख चुनावी मुद्दा बनने जा रहा है।

# मुहर्रम का चांद दिखा, इमामबाड़ों में सजे अलम

**मुहर्रम**

### ऐतिहासिक फूलों का ताजिया मुहर्रम की सातवीं तारीख को रखा जाएगा

**आगरा।** मुहर्रम का चांद मंगलवार की शाम को देखा गया। इसके साथ ही इस्लामी कैलेंडर के नए साल का आगाज हो गया। शिया इमामबाड़ों में अलम रख दिए गए। वहीं पाय चौकी में ऐतिहासिक फूलों का ताजिया मुहर्रम की सातवीं तारीख को रखा जाएगा। इसके लिए चांद होने के बाद पाय चौकी इमामबाड़े में फातिहा पढ़ा गया। शिया समुदाय में 40 दिन का मातम शुरू हो गया।

कटरा दबकय्यान स्थित पाय चौकी में ऐतिहासिक फूलों के ताजिये को रखे जाने के बाद से ही जिलेभर में ताजियेदारी शुरू होती है। यहीं से ताजियों के जुलूस निकाले जाते हैं। मुहर्रम का चांद नजर आने के बाद इस इमामबाड़े में फातिहा पढ़ी गई। सातवीं तारीख को यहां फूलों का ताजिया रखा जाएगा।

इसकी जियारत करने के लिए दूरदराज से अकीदतमंद यहां पहुंचेंगे। दूसरी ओर, शिया समुदाय के शाहगंज, न्यू आगरा स्थित दरगाह सालिस-ए-शहीद, लोहामंडी, गुदड़ी मंसूर खां के इमामबाड़ों में अलम सजा दिए गए। इसके साथ ही बुधवार से मजलिसों का सिलसिला शुरू हो जाएगा। हजरत इमाम हुसैन और उनके परिवार के लोगों की शहादत को याद करके मातम मनाया जाएगा।

अंजुमन-ए-पंजतनी के अमीर अहमद एडवोकेट ने बताया कि इमामबाड़ों में तैयारी पूरी हो चुकी है। अलम सजा दिए गए हैं। मजलिसें सुबह से शुरू हो जाएंगी। मुहर्रम की सातवीं तारीख को अलम का जुलूस शाहगंज स्थित पुराना इमामबाड़ा गांधी चौक से निकाला जाएगा।

## 'मुहर्रम में शक्ति प्रदर्शन स्वीकार्य नहीं' : योगी आदित्यनाथ

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मुहर्रम मातम का अवसर है, शक्ति प्रदर्शन का नहीं। इस दौरान किसी अस्त्र-शस्त्र के प्रदर्शन, नई परंपरा, कानफोड़ू डीजे, ढोल-ताशों के अनियंत्रित प्रयोग की अनुमति नहीं दी जाएगी। मंगलवार को कानून-व्यवस्था, आगामी त्योहारों, योग दिवस की तैयारियों की समीक्षा करते हुए सीएम ने शांति भंग करने के प्रयासों पर कठोर कार्रवाई के निर्देश दिए।

सीएम ने सभी डीएम और एसपी को मोहर्रम की व्यवस्थाओं को लेकर पहले से संवाद स्थापित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा, दुर्घटना से बचाव के लिए ताजियों की ऊंचाई निर्धारित मानकों के अनुरूप रखी जाए। 10 से 12 फीट से डीट से अधिक ऊंचे ताजियों की अनुमति न दी जाए। सभी की आस्था का सम्मान हो, लेकिन नई परंपरा स्वीकार्य नहीं होगी। हर गांव हर वार्ड में 21 जून को योग कार्यक्रम अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियों के दौरान सीएम ने कहा कि इस वर्ष 'स्वस्थ आयु के लिए योग' थीम के साथ इसे मनाया जा रहा है। पीएम के कार्यक्रम का प्रदेश भर में सीधा प्रसारण किया जाए।

## मोहर्रम के जुलूस में न करें डीजे का इस्तेमाल : मौलाना शहाबुद्दीन

बरेली। ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना मुफ्ती शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी ने मोहर्रम के जुलूसों को लेकर अपील जारी की है। उन्होंने ताजियों और अलमों की लंबाई 10 फीट तक सीमित रखने को कहा है। साथ ही, जुलूसों में डीजे के इस्तेमाल पर सख्ती से रोक लगाने की बात कही। मौलाना बरेलवी ने बुधवार को एक बयान में कहा कि इस्लामी कैलेंडर का नया साल शुरू हो चुका है और आज मोहर्रम की पहली तारीख है। उन्होंने लोगों से अपील की कि ताजियों और अलमों की लंबाई 10 फीट से अधिक न रखें। उनका कहना है कि इससे कोई समस्या या विवाद उत्पन्न नहीं होगा।

## राम मंदिर दान राशि गबन में नया मोड़

# कहां गया चढ़ावे में चढ़ा करोड़ों का हार और चरण पादुका?

**अयोध्या।** अयोध्या में राम मंदिर में दान राशि के गबन मामले में एसआईटी (विशेष जांच दल) की दूसरे दिन मंगलवार को भी तफ्तीश जारी रही। सात घंटे से अधिक समय तक टीम मंदिर परिसर में जांच करती रही। अब तक ट्रस्ट के पदाधिकारियों, पुजारियों, बैंक अधिकारियों समेत सौ से अधिक लोगों से पूछताछ की जा चुकी है। संदिग्धों से भी सवाल-जवाब जारी हैं।

एसआईटी ने सोमवार को अयोध्या पहुंचकर करीब साढ़े सात घंटे तक जांच-पड़ताल की थी। मंगलवार सुबह 11 बजे एसआईटी अध्यक्ष मंडलायुक्त लखनऊ विजय विश्वास पंत, लखनऊ रेंज की आईजी किरण एस और वित्त विभाग के विशेष सचिव नील रतन मंदिर परिसर पहुंचे और सीधे ट्रस्ट कार्यालय गए। उनके साथ जिले के अधिकारी भी मौजूद रहे।

**सूत्रों के अनुसार 40 से 50 लोगों के नाम आए सामने**

सूत्रों के मुताबिक एसआईटी ने ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और गोपाल राव समेत अन्य पदाधिकारियों तथा उनसे जुड़े लोगों से जानकारी ली। एसआईटी मंदिर निर्माण के बाद शुरू हुई दान प्रक्रिया की पूरी जानकारी जुटा रही है। दान लेने, उसकी गिनती और गिनती के समय मौजूद रहने वाले लोगों की पड़ताल की जा रही है।

**आठ महीने के सीसीटीवी फुटेज डिलीट :** सूत्रों के अनुसार

40 से 50 लोगों के नाम सामने आए हैं, जिनकी भूमिका की जांच की जा रही है। टीम ने पूरा लेखा जोखा जुटाया है। मामले में सबसे अहम साक्ष्य सीसीटीवी फुटेज ही माने जा रहे हैं। ट्रस्ट के पूर्व पदाधिकारी महिपाल सिंह ने आरोप लगाया था कि आठ महीने के सीसीटीवी फुटेज डिलीट कर दिए गए थे।

सूत्रों के मुताबिक जिन संदिग्धों को पकड़ा गया था, उन्हें ट्रस्ट कार्यालय के बेसमेंट में रखा गया है। ट्रस्ट पदाधिकारियों ने एसआईटी को उनके बारे में जानकारी दी है और यह भी बताया है कि कथित रकम किस प्रकार बरामद की गई। एसआईटी जिन लोगों से पूछताछ कर रही है, उनकी वीडियो रिकॉर्डिंग भी कराई जा रही है। राम मंदिर में दान राशि के गबन मामले के बीच एक और दावा सामने आया है। आचार्य विनोद मिश्र का कहना है कि उनके शिष्य जौनपुर निवासी कारोबारी अजय विश्वकर्मा ने करोड़ों रुपये मूल्य का हार तथा चरण पादुका भेंट की थी।

## यूपी पुलिस कंप्यूटर ऑपरेटर भर्ती: सरकारी कर्मियों को योगी की नसीहत

# ड्यूटी के समय रील बनाना अनुशासनहीनता : सीएम

**लखनऊ।** राजधानी लखनऊ में बुधवार को सीएम योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा चयनित 930 कंप्यूटर ऑपरेटर (ग्रेड-ए) को नियुक्ति पत्र सौंपे। कार्यक्रम का आयोजन लोकभवन सभागार में हुआ।

इस मौके पर सीएम योगी ने कहा कि पिछले 09 वर्ष में सुशासन के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए यूपी पुलिस ने तेज गति से काम किया है। आज यूपी पुलिस मॉडल पुलिसिंग का उदाहरण का है। चयनित अभ्यर्थियों से कहा कि अपने अभिभावकों, गुरुजनों से पूछिए 2017 से पहले स्थिति क्या थी। हर दूसरे महीने दंगा होता था। उत्सव से पहले उपद्रव होने लगते थे। मुरादाबाद में हमारे एक डीआईजी रैंक के अधिकारी को उपद्रवियों ने जमकर मारा था। मरा हुआ समझकर उन्हें छोड़कर चले गए थे।

**उपद्रवियों की सात पीढ़ियां उपद्रव करना भूल जाएंगी :** सीएम ने आगे कहा कि यूपी में लोगों ने कल्पना करन बंद दिया था, कि हमारी बेटियां सुरक्षित रहेंगी। लेकिन, हम इन सब घटनाओं को वाच कर रहे थे। सरकार में आने के बाद उन सभी उपद्रवियों को ऐसी सजा हुई है, कि उनकी सात पीढ़ियां उपद्रव करना भूल जाएंगी। पहले हमारे पास 30 हजार की ट्रेनिंग की व्यवस्था थी, आज हमारे पास 60 हजार जवानों की ट्रेनिंग की व्यवस्था है।

**पहले भाई लोग फाइल दबा देते थे- सीएम :** उन्होंने कहा कि पहले टूटे हुए बैरक थे।

उसमें पुलिस के जवान रहते थे। आखिर उनके लिए भी तो गर्मी, सर्दी और बरसात था। आज सबसे ऊंचे भवनों वाले बैरक हैं। आज यूपी चल नहीं रहा है, भाग रहा है। पहले अपराधियों की फाइल भाई लोग ऐसे दबा देते थे, कि कभी खुल ही नहीं सकती थी। आज हमने सात जनपदों में कमिश्नरेट की व्यवस्था कर दी।

## मासूम से दरिंदगी

### हंगामे के बाद गिरफ्तार

**पीलीभीत :** पीलीभीत शहर से सटे भिखारीपुर के बाजार में रविवार को लापता नजदीक के एक गांव की आठ वर्षीय बच्ची मंगलवार दोपहर पड़ोस के उगनपुर में मिली। बच्ची ने बताया कि एक घर में 68 साल के दूसरे समुदाय के बुजुर्ग ने उससे दुष्कर्म किया।

इसका पता चलते ही ग्रामीणों और हिंदू संगठन के लोगों में आक्रोश फैल गया। पहले गांव में और फिर रात को सुनगढ़ी थाने पहुंचकर हंगामा किया। पुलिस ने आननफानन गांव में दबिश देकर कुछ देर बाद ही आरोपी मोहम्मद उमर को गिरफ्तार कर रिपोर्ट दर्ज कर ली।

गांव निवासी महिला के मुताबिक उनकी बेटी रविवार दोपहर अपने पिता के साथ भिखारीपुर बाजार गई थी। वहां अचानक वह लापता हो गई। काफी देर तक तलाश करने के बाद भी उसका कुछ पता नहीं चल सका।

## राम मंदिर में चढ़ावा चोरी : 19 जून को अयोध्या आएंगे सीएम योगी

**गबन**

### दान चोरी के बाद बदली व्यवस्था, अब रोजाना हो रही कैश की गिनती

**अयोध्या।** अयोध्या में राम मंदिर की दान पेटिका में कथित अनियमितताओं के मामले को लेकर चल रही जांच के बीच मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 19 जून को अयोध्या दौरे पर पहुंचेंगे। प्रस्तावित कार्यक्रम के तहत वह रुदौली में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने के बाद अयोध्या आएंगे। मुख्यमंत्री मणिराम दास छावनी में महंत नृत्य गोपाल दास के जन्मोत्सव कार्यक्रम में भाग लेंगे, वैक्स म्यूजियम का उद्घाटन करेंगे। इसके अलावा नगर निगम के जोनल कार्यालय का शुभारंभ और विकास कार्यों से संबंधित पुस्तक का विमोचन भी करेंगे। उनका जैन मंदिर के कार्यक्रम में शामिल होने का भी कार्यक्रम है। सूत्रों के अनुसार मुख्यमंत्री अधिकारियों से मामले की जानकारी ले सकते हैं, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। दौरे की तैयारियों को लेकर बुधवार को जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी और एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर ने जैन मंदिर व मणिराम दास छावनी का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

# पूर्व सांसद बृजभूषण और उनके विधायक बेटे को धमकी, मामला दर्ज

**धमकी**

### 'तुम्हारी और पिता की हत्या का इंतजाम हो चुका है, बचा...'

**गोंडा।** कैसरगंज के पूर्व भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह और गोंडा सदर से भाजपा विधायक प्रतीक भूषण सिंह को मोबाइल फोन पर जान से मारने की धमकी दिए जाने का मामला सामने आया है। विधायक प्रतिनिधि की तहरीर पर कोतवाली नगर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस को दी गई तहरीर में विधायक प्रतिनिधि अजय सिंह ने बताया कि 14 जून 2026 को दोपहर करीब 2:22 बजे विधायक के मोबाइल फोन पर एक अज्ञात व्यक्ति की कॉल आई। बातचीत के दौरान कॉलर ने धमकी भरे लहजे में कहा कि वह विधायक और उनके पिता की हत्या का इंतजाम कर चुका है; अगर बच सकते हैं, तो बच लें।

धमकी मिलने के बाद विधायक ने तत्काल पुलिस अधिकारियों को मामले की जानकारी दी। प्रारंभिक जांच में संबंधित मोबाइल नंबर के उपयोगकर्ता की पहचान राजस्थान के अलवर जिले के निवासी संदीप शर्मा के रूप में हुई है।

तहरीर में कहा गया है कि विधायक और उनका परिवार पहले भी आपराधिक तत्वों के निशाने पर रहा है।

## मजदूर के सामने मुसीबत

# बिजली बिल आया 5.43 लाख रुपये

**आगरा।** आगरा के बरहन में गरीब मजदूर एवं बीमार व्यक्ति ने विद्युत विभाग पर कटे हुए कनेक्शन का लगातार बिल बढ़ाने का आरोप लगाते हुए सब डिवीजन ऑफिसर (एसडीओ) विद्युत खंदौली एवं उपजिलाधिकारी एत्मादपुर को प्रार्थना पत्र देकर बिल संशोधित कराने की मांग की है।

गांव गढ़ी मद्दे निवासी कृष्ण मुरारी पुत्र रणवीर सिंह ने बताया कि उसका दो किलोवाट का कमर्शियल विद्युत कनेक्शन संख्या 781705418134 वर्ष 2018 में विद्युत बिल बकाया होने के कारण काट दिया गया था। इसके बावजूद विभाग की ओर से उसके नाम से लगातार बिजली बिल जारी होता रहा। पीड़ित का कहना है कि 16 जून 2020 को उसपर 35,394 रुपये का बकाया दशार्या गया था, जबकि मात्र एक माह बाद बिल बढ़कर 1,27,262 रुपये हो गया। पीड़ित का आरोप है कि विभागीय लापरवाही के चलते बिजली बिल लगातार बढ़ते रहने से उसकी राशि वर्तमान में 5,43,081 रुपये तक पहुंच गई है।

# पूर्व सीएम अखिलेश की ब्राह्मण वोटरों पर नजर, बुलाई अहम बैठक

**लखनऊ।** समाजवादी पार्टी ने 2027 यूपी चुनाव को देखते हुए सामाजिक समीकरणों को मजबूत करने की कवायद तेज कर दी है। बुधवार को पार्टी के प्रदेश कार्यालय में समाजवादी ब्राह्मण सभा के पदाधिकारियों और कार्यकताओं की अहम बैठक आयोजित की गई। बैठक में अगस्त माह में प्रस्तावित कार्यक्रमों की तैयारियों और संगठन को मजबूत बनाने की रणनीति पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में समाजवादी ब्राह्मण सभा के पदाधिकारियों के साथ-साथ विभिन्न जिलों के कार्यकताओं ने हिस्सा लिया। वहीं, गोरखपुर जिले के कार्यकताओं के साथ अलग से बैठक कर संगठनात्मक गतिविधियों और जनसंपर्क अभियान को लेकर भी विचार-विमर्श किया गया।

**बैठक में इन मुद्दों पर होगी चर्चा :** सूत्रों के अनुसार, समाजवादी पार्टी ब्राह्मण समाज के बीच अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। इसी कड़ी में पार्टी अगस्त में होने वाले कार्यक्रमों को बड़े स्तर पर आयोजित करने की तैयारी में है। बैठक में इन आयोजनों की रूपरेखा, जिम्मेदारियों के बंटवारे और अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया।

# नीट की तैयारी कर रही छात्रा ने दी जान

### सुसाइड नोट में मां-बाप से मांगी माफी, लिखा- उम्मीदों पर खरी न उतर पाई

**सुसाइड**

### नीट परीक्षा रद्द होने की खबरों के बाद से कथित तौर पर वह डिप्रेशन में थी छात्रा

**नई दिल्ली।** दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के पालम में रहने वाली रेणु ने कथित तौर पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। शुरूआती जांच के अनुसार, छात्रा ने 3 मई को नीट परीक्षा दी थी और परीक्षा रद्द होने की खबरों के बाद से कथित तौर पर वह डिप्रेशन में थी।

पुलिस ने बताया कि 13 जून को रेणु के पिता अपने ससुर की मौत के बाद ससुराल गए थे। घटना के समय रेणु घर पर अकेली थी। उसने कथित तौर पर 13 जून की शाम को फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मौके से मिले सुसाइड नोट से उसकी मानसिक परेशानी का पता चला। नोट में उसने अपने माता-पिता से माफी मांगी और लिखा कि वह उनकी उम्मीदों पर खरी नहीं उतर पाई। परिवार मूल रूप से राजस्थान का रहने वाला है। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब नीट परीक्षा को लेकर लगातार विवाद चल रहे हैं।

इससे पहले राजस्थान के सीकर में भी एक छात्र ने आत्महत्या की थी। 22 साल के उमेश माली नाम का यह छात्र नीट परीक्षा के अपने तीसरे प्रयास की तैयारी कर रहा था, जो 21 जून को होनी है। सीकर में नीट की तैयारी कर रहे छात्र की आत्महत्या का यह दूसरा मामला था। पुलिस के मुताबिक, झुंझुनूं जिले के नवलगढ़ का रहने वाला उमेश परीक्षा की तैयारी के चलते सीकर के उद्योग नगर पुलिस स्टेशन इलाके में एक फ्लैट में अपनी मां, बड़ी बहन और छोटे भाई के साथ रह रहा था। उसके पिता मुंबई में टाइल कॉन्ट्रैक्टर का काम करते हैं।

मंगलवार को भी एक छात्रा ने भी आत्महत्या कर ली थी। देहरादून में 23 साल की एक युवती ने नीट परीक्षा पास न कर पाने के कारण कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। उसने अपने माता-पिता के नाम एक नोट छोड़ा, जिसमें लिखा था, मम्मी-पापा, मैं आपसे प्यार करती हूं।

## गजब हो गया : 613 परिषदीय विद्यालयों के टैबलेट हो गए गायब

**बलरामपुर।** यूपी के बलरामपुर में परिषदीय विद्यालयों में डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए उपलब्ध कराए गए 613 टैबलेट गायब होने से शिक्षा विभाग में हड़कंप मच गया है। एक वर्ष पूर्व विद्यालयों को शैक्षिक गतिविधियों, ऑनलाइन प्रशिक्षण, मॉनिटरिंग और डिजिटल शिक्षण कार्यों के लिए टैबलेट उपलब्ध कराए गए थे, लेकिन अब इनका पता नहीं चल रहा है।

विभागीय समीक्षा में बड़ी संख्या में टैबलेटों की उपलब्धता और उपयोगिता पर सवाल खड़े होने के बाद मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

बेसिक शिक्षा विभाग के तहत संचालित परिषदीय विद्यालयों में शिक्षण कार्य को तकनीक से जोड़ने के उद्देश्य से टैबलेट वितरित किए गए थे। इन उपकरणों का उपयोग शिक्षकों को ऑनलाइन रिपोर्टिंग, शैक्षिक सामग्री के संचालन, विभागीय एप्लीकेशन और विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन में करना था।

# उन्नाव डबल सुसाइड: पहले पत्नी ने लगाया फंदा, फिर फौजी ने दी जान

**उन्नाव।** उन्नाव जिले में बीघापुर कोतवाली क्षेत्र के दांदामऊ गांव में पांच दिन पहले सैन्यकर्मी पति के साथ ससुराल आई महिला का शव फंदे से लटका मिला। इसका पता लगते ही कोलकाता के पानागढ़ में सेना की मेडिकल कोर में तैनात सूबेदार पति ने भी आत्महत्या कर ली। एक साथ दो मौतों से परिवार में कोहराम मच गया है।

बीघापुर कोतवाली के गांव दांदामऊ निवासी शैलेंद्र पांडेय (40) सेना मैं सूबेदार के पद पर तैनात हैं। 12 साल पहले उनकी शादी कानपुर निवासी साधना (38) से हुई थी। शादी के छह महीने बाद ही वह पत्नी को लेकर साथ चले गए थे। शैलेंद्र के बड़े भाई मनोज पांडेय ने बताया कि परिवार में 27 जून को चचेरे भाई की शादी है।

**दोनों ने आत्महत्या कर ली**

पांच दिन पहले शैलेंद्र अपनी पत्नी को यहां छोड़कर छुट्टी बढ़वा कर जल्द ही वापस आने की बात कही थी, लेकिन साधना इस पर तैयार नहीं थी। इसी से नाराज होकर उसने मंगलवार रात फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली। जानकारी होने पर शैलेंद्र ने ड्यूटी स्थल पर आत्महत्या कर ली।

देर रात सीओ का फोन आने पर घटना का पता चला। एक साथ दो मौतों से कोहराम मच गया। पिता भाई का शव लेने कोलकाता निकले हैं। उधर, मृतका के कानपुर निवासी भाई अनुज मिश्रा ने ससुरालीजनों पर बहन की हत्या करने का आरोप लगाया है।

# यूपी की कई सीटों पर बसपा जल्द करेगी प्रत्याशियों के नाम का एलान

**विस चुनाव**

### बसपा ने 2027 विधानसभा चुनाव की तैयारियां तेज कीं

**मुरादाबाद।** बसपा ने 2027 विधानसभा चुनाव की तैयारियां तेज कर दी हैं। पार्टी संगठन स्तर पर संभावित प्रत्याशियों की पड़ताल कर रही है और जल्द ही मुरादाबाद जिले की छह विधानसभा सीटों पर उम्मीदवारों के नाम घोषित किए जा सकते हैं। जिले में सबसे अधिक दावेदारी ठाकुरद्वारा, कांठ और बिलारी विधानसभा सीटों पर है जबकि कुंदरकी, शहर और देहात सीटों पर टिकट की दौड़ में कम नेता हैं।

बसपा नेतृत्व संभावित प्रत्याशियों की संगठन में सक्रियता, सामाजिक समीकरण, जनाधार और चुनाव लड़ने की क्षमता का आकलन कर रहा है। पार्टी इस बार ऐसे चेहरों को मैदान में उतारना चाहती है जो बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने के साथ चुनावी मुकाबले में प्रभावी भूमिका निभा सकें।

**कई पुराने और नए चेहरे टिकट की दावेदारी में :** ठाकुरद्वारा विधानसभा सीट पर कई पुराने और नए चेहरे टिकट की दावेदारी कर रहे हैं। यहां बसपा का वोट बैंक होने के कारण टिकट के लिए प्रतिस्पर्धा अधिक है। कांठ विधानसभा क्षेत्र में भी कई नेता सक्रिय होकर संगठन के सामने अपनी दावेदारी प्रस्तुत कर रहे हैं।

# रेस लगा रहे ट्रैक्टरों ने ई-रिक्शा को रौंदा, छह की मौत, तीन घायल

**बदायूं।** बदायूं के उझानी कोतवाली क्षेत्र में बुधवार दोपहर भीषण हादसा हो गया। दो ट्रैक्टर चालकों की लापरवाही से छह महिलाओं की मौत हो गई। तीन लोग घायल हुए हैं। घायलों को राजकीय मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है।

हादसे के बाद एक चालक अपना ट्रैक्टर और ट्रॉली दौड़ा ले गया, जबकि दूसरा चालक ट्रैक्टर-ट्रॉली को मौके पर छोड़कर भाग गया। पुलिस ने उसके ट्रैक्टर और ट्रॉली को कब्जे में लिया है। दोनों चालकों की तलाश शुरू कर दी है। सूचना मिलते ही डीएम और एसएसपी भी घटनास्थल पर पहुंचे और हादसे की जानकारी ली।

जानकारी के मुताबिक कछला और उझानी के बीच फूलपुर क्षेत्र में बुधवार दोपहर हाईवे पर दो ट्रैक्टर चालक रेस लगा रहे थे। इसी बीच तेज रफ्तार ट्रैक्टरों ने ई-रिक्शा को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि ई-रिक्शा के परखच्चे उड़ गए। उसमें सवार महिलाएं व अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। आसपास के लोग जुट गए। सूचना पर पहुंची थाना पुलिस ने घायलों को अस्पताल भेजा, जहां छह महिलाओं को मृत घोषित कर दिया गया। हादसे में रिक्शा चालक सनी (32 वर्ष), डाल सिंह (58 वर्ष) समेत तीन लोग घायल हो गए। घायलों को राजकीय मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है।

## बागपत : कार में मिला एसडीओ दीपक का शव

**बागपत।** बागपत के रमाला क्षेत्र में दिल्ली-सहारनपुर राजमार्ग पर खड़ी एक कार से यमुनानगर नगर निगम में तैनात एसडीओ दीपक कुमार का शव बरामद होने से सनसनी फैल गई। गश्त के दौरान पुलिस ने सड़क किनारे संदिग्ध हालत में खड़ी कार को देखा। कार के सभी दरवाजे अंदर से बंद थे और भीतर धीमी आवाज में संगीत चल रहा था। सूचना के बाद पुलिस ने कार का शीशा तोड़कर वाहन खोला, जहां चालक सीट पर युवक मृत अवस्था में मिला।

गश्त के दौरान खड़ी मिली संदिग्ध कार जानकारी के अनुसार किशनपुर बराल स्थित निमार्णाधीन सीएनजी पंप के सामने देर रात पुलिस गश्त कर रही थी। इसी दौरान सड़क किनारे खड़ी कार पर पुलिस की नजर पड़ी। काफी देर तक कोई गतिविधि दिखाई नहीं देने पर पुलिस को संदेह हुआ। जांच करने पर कार के सभी दरवाजे बंद मिले। पुलिस ने शीशा तोड़कर कार खोली तो चालक सीट पर युवक का शव मिला। उसके मुंह से खून बह रहा था।

दैनिक
# करंट क्राइम
www.currentcrime.com
सिर्फ सच...
03 ● नई दिल्ली। गुरुवार 18 जून -2026 दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

## अंतर्राष्ट्रीय वैश्य सम्मेलन की बैठक में उठी सामाजिक-राजनीतिक भागीदारी की मांग

# वक्ताओं ने एक स्वर में कहा, एकजुट होकर करना है हमें सहयोग

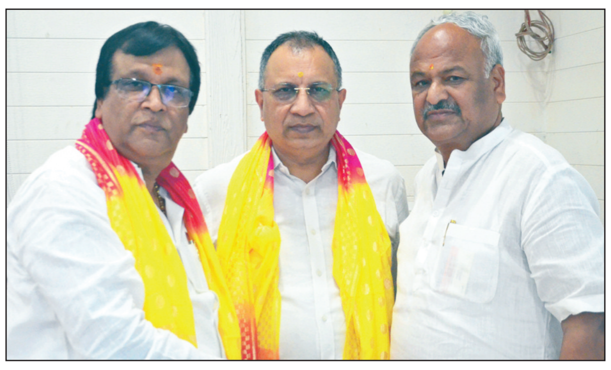

**गाजियाबाद, करंट क्राइम।** अंतर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन की एक महत्वपूर्ण बैठक अनिल अग्रवाल सांवरिया के संयोजन में हुई।चुनावों से पहले हुई इस बैठक के बड़े राजनीतिक मायने माने जा रहे हैं। फैडरेशन की विचार गोष्ठी केपीजी फार्महाउस परआयोजित हुई।

फैडरेशन के मेरठ मंडल अध्यक्ष अनिल अग्रवाल सांवरिया के संयोजन में अंतर्राष्ट्री सम्मेलन में ये बैठक रखी गयी थी।इस बैठक में महासम्मेलन के अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक अग्रवाल आये। अंतर्राष्ट्रीयअध्यक्ष अशोक अग्रवाल ने अपने संबोधन में समाज के बिखराव को समाप्त कर संगठन को मजबूत बनाने पर जोर दिया। पूर्व सांसद अनिल अग्रवाल ने आवाज उठाई कि वैश्य समाज ने देश को बहुत कुछ दिया है लेकिन अपेक्षित सम्मान नही मिला। उन्होंने इसका मुख्य कारण आपसी सहयोग की कमी बताया। इस कार्यक्रम के संयोजक अनिल अग्रवाल सांवरिया ने अपने संबोधन में कहा कि वैश्य समाज को एकजुट होनाचाहिए। सभी वर्गों का सहयोग करना चाहिए। जबतक हम एक होकर समाज के हित में नहीं सोचेंगे तब तक वैश्य समाज का समुचित उत्थान संभव नहीं है। दैनिक करंट क्राइम के सम्पादक मनोज गुप्ता ने भी अपने विचार रखे। सम्पादक मनोज गुप्ता ने कहा कि वैश्य समाज केवल मंदिर और धर्मशालाओं तक सिमित ना रहे।

वैश्य समाज राजनीतिक रूप से स्वयं को मजबूत बनाये। एक दूसरे को सहयोग करें और आगे बढ़ें। वरिष्ठ महामंत्री संजय अग्रवाल ने कहा कि टिकट वितरण में वैश्य समाज को उचित प्रतिनिधित्व दिलाने का काम वो करें जो वैश्य समाज के चेहरे राजनीति में बड़े स्तर पर विराजमान हैं। इसके अलावा केपीजी ग्रुप के चेयरमैन केपी गुप्ता ने एक बनो, श्रेष्ठ बनो का संदेश देते हुए आपसी सहयोग की आवश्यकता पर जोर दिया।

इस अवसर पर वरिष्ठ समाजसेवी वीके अग्रवाल अशोक गोयल, रूबी अग्रवाल, सीमा गोयल ने भी अपने विचार रखे। इस अवसर पर दीपक मित्तल (प्रभारी, पश्चिम उत्तर प्रदेश) ने बताया कि आईवीएफ की शाखाएं पूरे देश में कार्य कर रही हैं।

कार्यक्रम में आदिनारायण गुप्ता, संजीव गुप्ता, अशोक गोयल, दीपक मित्तल, ललित जायसवाल, के.पी. गुप्ता, अशोक अग्रवाल, अनिल अग्रवाल (पूर्व सांसद), विधायक एवं प्रदेश अध्यक्ष डॉ. नीरज बोरा, विवेक गोयल, राजेश गुप्ता, कुलदीप अग्रवाल, नीरज गुप्ता, विशाल गर्ग, डॉ. संदीप सिंघल, रितु गुप्ता, संगीता माहेश्वरी, सीमा गोयल, दीप्ति अरोड़ा, अंजली सिंघल, देवेंद्र हितकारी, अनिल गर्ग, अनिल सांवरिया, ओ.पी. गुप्ता, सारिका गर्ग, कैलाश मंगला, संजय अग्रवाल, सुनील वार्ष्णेय राजेश गुप्ता, विवेक अग्रवाल, प्रदीप गुप्ता, नीरज गुप्ता, गगन गुप्ता, डी.के गोयल, सुभाष गुप्ता रोड स्टील, विनय सिंघल, पुनीत शरद, पुनीत गुप्ता सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

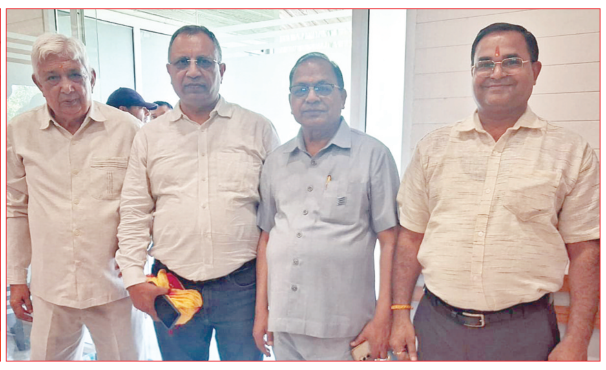

## सांसद अतुल गर्ग ने धौलाना में प्रभावशाली नागरिकों से किया संवाद, विभू बंसल रहे साथ

**धौलाना, करंट क्राइम।** केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी द्वारा चलाए जा रहे 'विशिष्ट जनसंपर्क अभियान' के अंतर्गत गाजियाबाद सांसद अतुल गर्ग ने धौलाना विधानसभा क्षेत्र में प्रभावशाली नागरिकों से संपर्क कर केंद्र सरकार की उपलब्धियों और जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। इस दौरान नगर पालिका अध्यक्ष विभू बंसल भी उनके साथ मौजूद रहे। सांसद अतुल गर्ग ने चंद्रपाल शर्मा, डॉ. वागीश दिनकर, आनंद, राजकुमार तोमर सहित अन्य प्रमुख नागरिकों से मुलाकात कर उन्हें सरकार के 12 वर्षों की उपलब्धियों पर आधारित पुस्तिका भेंट की। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने विकास, सुशासन और जनकल्याण के क्षेत्र में ऐतिहासिक कार्य किए हैं तथा राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए देश को नई दिशा देने का काम किया है। अतुल गर्ग ने कहा कि जनता के सहयोग से ही देश और प्रदेश में भाजपा को लगातार सफलता मिली है। उन्होंने नागरिकों से वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प में सहभागी बनने का आह्वान करते हुए कहा कि सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास भाजपा सरकार की मूल भावना है।

इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष विभू बंसल ने कहा कि सरकार की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने और नागरिकों से सीधा संवाद स्थापित करने के उद्देश्य से यह अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने लोगों से विकास और राष्ट्र निर्माण की यात्रा में सहभागी बनने की अपील की। कार्यक्रम में कविता माधरे, उमेश राणा, निशांत सिसोदिया, मनीष माहेश्वरी, पुनीत गोयल, अंशुल मित्तल, अखिलेश मित्तल, राजू त्यागी, विश्व प्रकाश शर्मा, विनय अग्रवाल, अंकुर गोयल, डॉ. राजेश कुमार, नरेश भारती, गुड्डू प्रजापति, अश्वनी बाल्मीकि, विनय कोरी, अंकुर गहलौत सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

## क्या नेहरू युवा केंद्र को लेकर किसी जनप्रतिनिधि ने रखा है जीडीए के बड़े अधिकारी से अपना पक्ष

# कराया अहसास जो कुछ हो रहा है वो एकदम है कागजों में स्पष्ट

**गाजियाबाद (करंट क्राइम)।** जवाहरलाल नेहरू राष्ट्रीय युवा केंद्र इन दिनों चर्चा में है। दरअसल यहां निर्माण कार्य चल रहा है। लोकसभा सांसद अतुल गर्ग के प्रतिनिधि राजेंद्र मित्तल मेदी वालों ने खुद को इस केंद्र का अध्यक्ष बताते हुए यहां का कार्यभार संभाला था और उनकी देखरेख में यहां निर्माण कार्य चल रहा था। यहां पर अचानक जीडीए की टीम पहुंची और उन्होंने यहां चल रहे निर्माण कार्य को अवैध बताते हुए सील लगा दी। जीडीए ने तीन कारण बताए जिसमें एक कारण स्वामित्व दस्तावेज का है। दूसरा कारण जमीन के क्षेत्रफल का है। इसके बाद जीडीए ने यहां सील लगाई और तभी से ये मामला चर्चा में है। सूत्र बताते हैं कि जवाहरलाल नेहरू राष्ट्रीय युवा केंद्र को राहत मिलने जा रही है। चर्चा ये है कि यहां लगाई हुई सील हट सकती है। केंद्र से जुड़े सूत्र बता रहे हैं कि जितने क्षेत्रफल की बात जीडीए कर रहा है उतने क्षेत्रफल में निर्माण की छूट प्राप्त है। वो बता रहे हैं कि यहां कहीं पर निगाहें और कहीं को निशाना बनाया जा रहा है। राजेंद्र मित्तल द्वारा इस मामले मे जीडीए के बड़े अधिकारी के यहां जमीन से जुड़े दस्तावेज दिखाए गए हैं। वहां दावा किया गया है कि सभी दस्तावेज चेक किये जाएं। बताया जाता है कि जीडीए के अधिकारियों की ओर से आश्वासन मिला है। वहीं राजेंद्र मित्तल मेदी चाहते हैं कि पूरे मामले की जांच करा ली जाए।

वो निर्माण को लेकर शर्तों का पालन कर रहे हैं। उनका कहना भी है कि निर्माण से जुड़े नियमों का पालन होगा। सूत्र बताते हैं कि राजेंद्र मित्तल मेदी के पत्र के बाद जीडीए के अफसर सील खोलने और निर्माण करने पर राजी नजर आए हैं।

सबकुछ ठीक रहा तो जल्दी ही जवाहरलाल नेहरू राष्ट्रीय युवा केंद्र से सील हट जाएगी। बताया जाता है कि राजेंद्र मित्तल मेदी इस मामले में जिलाधिकारी को भी सभी दस्तावेज दिखा चुके हैं। उनका दावा है कि कोई अवैध निर्माण नहीं हो रहा और सील गलत तरीके से लगाई गई है।

# जिन्हें राम मंदिर निर्माण का यश मिला, उन्हें इस लूट का अपयश भी उठाना होगा: बालेश्वर त्यागी

**गाजियाबाद, करंट क्राइम।** अयोध्या के श्रीराम मंदिर के चढ़ावे में चोरी ने सभी को शर्मिंदा किया है। मंदिर की व्यवस्था से जुड़े चार छः आठ लोगों ने बहुत ही घटिया काम करके सारी दुनिया में हिंदुओं की आस्था को उपहास का विषय बना दिया है।

ये तथ्य सर्व विदित है कि जो मंदिर निर्माण के विचार से ही असहज हो जाते थे, वे पहले दिन से ही इसमें षड्यंत्र और घोटाले ढूंढ रहे थे। जो नारे लगाते थे कि मंदिर वहीं बनाएंगे लेकिन तारीख नहीं बताएंगे, वे भव्य मंदिर के निर्माण के बाद मुंह छुपाते घूम रहे थे, उन सभी राम द्रोहियों को मंदिर की व्यवस्था से जुड़े लोगों ने घर बैठे बिठाये सुनहरा अवसर दे दिया है।

चोर कौन है? किसने चोरी की है? कितनी चोरी हुई है? कब कब चोरी हुई है? कैसे चोरी को अंजाम दिया गया है? इन सारे सवालों के उत्तर तो जांच के बाद ही मिलेंगे लेकिन एक तथ्य निर्विवाद स्पष्ट है। जिनके जिम्मे मंदिर की व्यवस्थाओं के संचालन का दायित्व था, वे अपने दायित्वों का निर्वाह करने में असफल रहे हैं. उनकी इस लापरवाही ने मंदिर के निर्माण में उनके योगदान से उत्पन्न यश को न केवल खा लिया बल्कि उनको लांछित भी कर दिया है।

ये मंदिर केवल हिंदू मतावलंबियों के आस्था का केंद्र नहीं है। ये भारतीयता का शिखर है। भारत की पहचान है। भारतीय जीवन मूल्यों का जीवंत प्रमाण है। इसलिए इस कृत्य से न केवल हिंदू आहत है बल्कि सारे विश्व के कोने कोने में बैठे महानुभावों को निराश किया है जो श्रीराम से भारत को जानते और पहचानते हैं।

किसी अपराध के घटित होने के बाद जांच एजेंसियां अपराधियों को ढूंढती हैं, और उन्हें अदालत में खड़ा करके दंडित कराने का काम करती हैं। अपने देश की जांच एजेंसियां इतनी सक्षम हैं कि वे न केवल अपराधियों को कानून के समक्ष प्रस्तुत करेंगी बल्कि उन्हें दंडित भी कराएंगी। लेकिन इतिहास चीख चीख कर कहता रहेगा कि श्री राम मंदिर के संचालक इतने अयोग्य थे जो श्रीराम के चढ़ावे को भी सुरक्षित नहीं रख सके।

भारत में कई ऐसे प्राचीन मंदिर हैं जिनमें श्रीराम मंदिर से अधिक चढ़ावा आता है। उनमें कई मंदिर ऐसे हैं जिनमें चढ़ावे की गिनती और उसे सुरक्षित रखने की ऐसी पारदर्शी व्यवस्था है जो न केवल भक्तों को आश्वस्त करती है बल्कि भक्तों से इतर भी लोगो में विश्वास जगाती है। श्रीराम मंदिर की व्यवस्थाओं से जुड़े लोगों ने उन मंदिरों से कुछ नहीं सीखा। मंदिर भगवान का घर है, भगवान के घर में सारी व्यवस्थाएं पारदर्शी और विश्वसनीय होनी ही चाहिए। जो जानकारियां मिल रही हैं, उससे ऐसा लग रहा है कि मंदिर व्यवस्था से जुड़े लोगों ने मंदिर को निजी संपत्ति की तरह उसकी व्यवस्थाओं का संचालन किया है। मंदिर व्यवस्था से जुड़ा कोई व्यक्ति कितना भी श्रेष्ठ क्यों न हो, उसकी सत्य निष्ठा कितनी भी असंदिग्ध क्यों न हो वह इस अपयश से नहीं बच सकता है। जिनके हिस्से में मंदिर निर्माण का यश आया उन्हें इस लूट का अपयश भी उठाना पड़ेगा।

काश मंदिर व्यवस्थाओं से जुड़े लोगों में से कोई सामने आते और सार्वजनिक रूप से इस चूक का दायित्व अपने ऊपर लेते और जांच में पाए गए दोषियों को दंडित करने का शासन से अनुरोध करते तो बहुत सारे लोग इस अपयश से बच जाते।

## जब काल के सामने चट्टान बनकर खड़ी हो गईं बेटियां

# एक बेटी ने दी किडनी तो दूसरी ने लीवर दान कर पिता जयंत त्यागी को दिया नया जीवन

**मेरी बेटी, मेरा गुरूर**

### लीवर और किडनी फेल होने पर डॉक्टरों ने जताई थी चिंता

**गाजियाबाद, करंट क्राइम।** कहते हैं कि बेटियाँ बाबुल की रानियाँ होती हैं। मोरटा गांव के जयंत त्यागी और उनके परिवार ने इस कहावत को सच साबित कर दिया। यह कहानी सिर्फ एक परिवार की नहीं, बल्कि उस अटूट रिश्ते की है जिसमें बेटियों ने अपने पिता को नया जीवन देने के लिए खुद को दांव पर लगा दिया। मोरटा निवासी जयंत त्यागी (45) अचानक गंभीर रूप से बीमार पड़ गए। जांच के बाद डॉक्टरों के पैनल ने उन्हें लीवर और किडनी फेलियर से ग्रस्त बताया। परिवार पर मानो दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। डॉक्टरों ने साफ कर दिया कि जीवन बचाने का एकमात्र रास्ता लीवर और किडनी ट्रांसप्लांट है। परिवार के सामने सबसे बड़ी चुनौती उपयुक्त डोनर की थी। ऐसे समय में उनकी बड़ी बेटी रिषिका त्यागी आगे आईं। बीटेक कर चुकी रिषिका का विवाह तय हो चुका है और कुछ ही महीनों बाद उनकी शादी होने वाली है। इसके बावजूद उन्होंने बिना हिचकिचाहट अपने पिता को किडनी दान करने का निर्णय लिया। इस कठिन फैसले में उनके होने वाले ससुराल पक्ष ने भी पूरा साथ दिया और उनका मनोबल बढ़ाया।

दूसरी ओर छोटी बेटी खुशी, जो बीटेक प्रथम वर्ष की छात्रा हैं, ने अपने पिता को लीवर दान करने का फैसला किया। परिजनों और शुभचिंतकों ने भविष्य की चिंताओं को लेकर सवाल भी उठाए, लेकिन दोनों बेटियों का जवाब एक ही था– 'पापा हैं तो सब कुछ है। उन्हें कुछ नहीं होने देंगे।' परिवार की इस अद्भुत सकारात्मक सोच और बेटियों के साहस ने सभी को भावुक कर दिया। फोर्टिस अस्पताल में कई घंटों तक चला जटिल ऑपरेशन आखिरकार सफल रहा। चिकित्सकों के प्रयास और बेटियों के त्याग से जयंत त्यागी को नया जीवन मिला। राहत की बात यह है कि पिता और दोनों बेटियाँ अब स्वस्थ हैं और तेजी से स्वास्थ्य लाभ कर रहे हैं। भाजपा महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल ने इस घटना को अपने सोशल मीडिया मंच पर साझा करते हुए बेटियों के साहस को नमन किया है। उन्होंने इसे परिवार, संस्कार और समर्पण की ऐसी मिसाल बताया जिसे लंबे समय तक याद रखा जाएगा।

यह कहानी बताती है कि जब परिवार एकजुट होकर कठिनाइयों का सामना करता है तो असंभव दिखने वाली लड़ाइयाँ भी जीती जा सकती हैं। जयंत त्यागी के जीवन की इस नई शुरूआत के पीछे उनकी बेटियों का त्याग, साहस और पिता के प्रति असीम प्रेम हमेशा याद रखा जाएगा।

### 'पापा हैं तो सब कुछ है'

करंट क्राइम। रिषिका ने किडनी दी, खुशी ने लीवर दान किया। दोनों बेटियों ने भविष्य की तमाम चिंताओं से ऊपर उठकर अपने पिता का जीवन बचाने का निर्णय लिया। यही निर्णय आज पूरे परिवार के लिए नई उम्मीद बन गया है।

### मयंक गोयल बोले: बेटियां परिवार की सबसे बड़ी ताकत

करंट क्राइम। भाजपा महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल ने जयंत त्यागी और उनकी बेटियों के साहस को नमन करते हुए कहा कि यह घटना केवल एक परिवार की कहानी नहीं, बल्कि भारतीय संस्कारों और पारिवारिक मूल्यों की जीवंत मिसाल है। उन्होंने कहा कि जब जीवन-मृत्यु का संकट सामने था, तब दोनों बेटियों ने जिस निस्वार्थ भाव से अपने पिता को अंगदान करने का निर्णय लिया, वह समाज के लिए प्रेरणा है। मयंक गोयल ने सफल ऑपरेशन के लिए चिकित्सकों का आभार व्यक्त करते हुए जयंत त्यागी एवं उनके परिवार के शीघ्र पूर्ण स्वस्थ होने की कामना की।

18 June -26 page 4 17-06-2026 9:09 PM Page 1



## संपादकीय

# टेलीग्राम बैन पर सवाल

ऐसे तो सोशल मीडिया से जुड़े कई मंच हैं, जिन्हें इस तरह की अफवाह फैलाने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है।

सरकार ने टेलीग्राम पर नीट यूजी की पुन: परीक्षा होने तक इसलिए रोक लगा दी, क्योंकि इसका इस्तेमाल प्रश्नपत्र लीक के फर्जी साक्ष्य गढ़ने के लिए किया जा रहा है। जरूरी है कि सरकार परीक्षा में गड़बड़ी को रोकने के लिए स्थायी समाधान खोजने की दिशा में कदम उठाए। राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा (नीट यूजी-2026) की शुचिता बनाए रखने के लिए सरकार की ओर से जिस तरह के उपायों पर जोर दिया जा रहा है, अब उन्हीं पर सवाल उठने लगे हैं। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) की सिफारिश पर केंद्रीय सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने मंगलवार को संवाद ऐप ह्यटेलीग्रामह्न पर अस्थायी प्रतिबंध लगा दिया। एनटीए का कहना है कि यह निर्णय इस ऐप की उस तकनीकी सुविधा को ध्यान में रखकर किया गया है, जिसका इस्तेमाल राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं के संबंध में प्रश्नपत्र लीक के फर्जी साक्ष्य गढ़ने के लिए किया जाता है। मगर क्या सरकार के इस कदम से यह पूरी तरह सुनिश्चित हो पाएगा कि प्रश्नपत्र लीक नहीं होगा? तकनीक के इस दौर में क्या कोई इसी तरह के दूसरे ऐप का इस्तेमाल नहीं कर सकता? जाहिर है कि ऐसे सतही उपाय इस समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सकते हैं। सरकार ने टेलीग्राम पर नीट यूजी की पुन: परीक्षा होने तक इसलिए रोक लगा दी, क्योंकि इसका इस्तेमाल प्रश्नपत्र लीक के फर्जी साक्ष्य गढ़ने के लिए किया जा रहा है। मगर इसकी मूल जड़ तो वहां है, जहां से प्रश्नपत्र लीक होता है। विचित्र बात है कि प्रश्नपत्रों की छपाई से लेकर उसके परिवहन तक की व्यवस्था को पुख्ता करने का दावा किया जा रहा है, लेकिन परीक्षा संचालन से जुड़े लोगों की जवाबदेही पर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। यह बात सही है कि किसी संवाद ऐप पर भ्रामक जानकारियां फैलाने से परीक्षार्थियों के मनोबल पर असर पड़ सकता है, लेकिन क्या इस तरह के ऐप पर प्रतिबंध लगा देने से समस्या का स्थायी समाधान निकल पाएगा? ऐसे तो सोशल मीडिया से जुड़े कई मंच हैं, जिन्हें इस तरह की अफवाह फैलाने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। इस बात से भी इनकार नहीं किया जा सकता कि ह्यटेलीग्रामह्न पर पाबंदी से लाखों ऐसे नागरिक भी प्रभावित होंगे, जो इसका इस्तेमाल वैध तरीके से निजी, शैक्षणिक और पेशेवर जानकारी से जुड़े कामों के लिए करते हैं। ऐसे में जरूरी है कि सरकार परीक्षा में गड़बड़ी को रोकने के लिए स्थायी समाधान खोजने की दिशा में कदम उठाए। यह बात सही है कि किसी संवाद ऐप पर भ्रामक जानकारियां फैलाने से परीक्षार्थियों के मनोबल पर असर पड़ सकता है, लेकिन क्या इस तरह के ऐप पर प्रतिबंध लगा देने से समस्या का स्थायी समाधान निकल पाएगा? ऐसे तो सोशल मीडिया से जुड़े कई मंच हैं, जिन्हें इस तरह की अफवाह फैलाने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है।

# कच्चे तेल में बड़ी गिरावट

## तेल कंपनियों के शेयरों में जोरदार उछाल

### होर्मुज तनाव घटा, तेल कंपनियों के शेयर दौड़े

**नई दिल्ली।** पश्चिम एशिया में शांति की आहट के बाद वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। इस कारण बुधवार को तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) के शेयरों में तेजी दर्ज की गई। भू-राजनीतिक तनाव कम होने और ईरान से तेल आपूर्ति बढ़ने की उम्मीदों के बीच यह वृद्धि हुई। कच्चे तेल की कीमतें 80 डॉलर प्रति बैरल से नीचे आ गईं, जिससे बाजार में सकारात्मक माहौल बना।

हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) के शेयर 2.26 फीसदी बढ़कर 410.45 रुपये के इंट्राडे उच्च स्तर पर पहुंच गए। भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) के शेयर भी 2.46 फीसदी की वृद्धि के साथ 319.50 रुपये के इंट्राडे उच्च स्तर पर कारोबार कर रहे थे। इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) के शेयरों में 1.61 फीसदी का उछाल आया और वे 147.45 रुपये पर पहुंच गए।

ओएमसी शेयरों में यह तेजी कच्चे तेल की कीमतों में तेज गिरावट के बाद आई है। अमेरिका और ईरान के बीच प्रस्तावित समझौते से अतिरिक्त ईरानी कच्चे तेल के निर्यात का मार्ग प्रशस्त होने की उम्मीद है।

इससे वैश्विक बाजारों में आपूर्ति संबंधी चिंताएं कम होंगी। अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 80 डॉलर प्रति बैरल से नीचे कारोबार कर रहा था। यह पिछले कुछ सत्रों में तेज गिरावट के बाद तीन महीने के निचले स्तर के करीब है।

### बाजार विशेषज्ञों की राय

बाजार विशेषज्ञों ने कहा कि ब्रेंट क्रूड पिछले 5 दिनों में लगभग 16 फीसदी गिरकर 79 डॉलर पर आ गया है। इससे भारत में बढ़ते भुगतान संतुलन घाटे की बड़ी चिंता दूर हो गई है। उन्होंने यह भी बताया कि बाजार के नजरिए से एफआईआई बहिर्वाह में कमी एक और सकारात्मक रुझान है। रुपये के लगातार मजबूत होने से यह रुझान जारी रहने की संभावना है। बुधवार को व्यापक इक्विटी बाजार वैश्विक भावना में सुधार और ऊर्जा कीमतों पर चिंताओं में कमी के कारण सकारात्मक क्षेत्र में कारोबार कर रहा था।

### ईरान समझौते का कितना प्रभाव?

रिपोर्टों के अनुसार, अंतरिम समझौता ईरान को कच्चे तेल की बिक्री फिर से शुरू करने की अनुमति दे सकता है। यह व्यापक वार्ताओं के लिए एक ढांचा तैयार करेगा। इन वार्ताओं का उद्देश्य शत्रुता समाप्त करना और तेहरान के परमाणु कार्यक्रम से संबंधित चिंताओं को दूर करना है। प्रस्तावित व्यवस्था से होर्मुज जलडमरूमध्य के फिर से खुलने की उम्मीद है।

# बंपर पैदावार और आक्रामक खरीद से भरे गोदाम

## देश में गेहूं-चावल का रिकॉर्ड स्टॉक

**नई दिल्ली।** बाजार में गेहूं के तेवर कड़े हो रहे हैं। राजधानी दिल्ली में अप्रैल में जो गेहूं 2550 रुपये प्रति क्विंटल के भाव पर था, वह 16 जून को बढ़कर 2700 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गया है। कीमतों में आई इस तेजी के पीछे दो बड़े कारण हैं। पहला है निर्यात में जोरदार उछाल। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, मार्च 2026 में जहां देश से महज 6,448 टन गेहूं का निर्यात हुआ था, वहीं अप्रैल 2026 में यह आंकड़ा करीब सात गुना बढ़कर 45,162 टन पर पहुंच गया है। निर्यात की इस तेज रफ्तार ने घरेलू बाजार में कीमतों को समर्थन दिया है।

दूसरा कारण है रिकॉर्ड तोड़ सरकारी खरीद। चालू फसल वर्ष 2025-26 में अच्छी मानसून बारिश के कारण देश में 12.06 करोड़ टन गेहूं का रिकॉर्ड उत्पादन हुआ है। सरकार ने इस साल 3.5 करोड़ टन गेहूं की खरीद की है, जिससे एक जून तक गेहूं का स्टॉक 5.34 करोड़ टन के साथ 2021 के बाद अपने पांच साल के उच्चतम स्तर पर जा पहुंचा है।

### सोयाबीन के रकबे में बंपर बढ़त की उम्मीद

इस साल सोयाबीन के रकबे में तेज बढ़ोतरी होने की उम्मीद है। किसानों और उद्योग जगत के अधिकारियों के मुताबिक, चार साल के उच्चतम स्तर पर पहुंची कीमतों और अल नीनो के कारण सामान्य से कम बारिश के अनुमानों ने किसानों को गन्ने और मक्के जैसी अधिक पानी वाली फसलों को छोड़कर इस तिलहन की ओर रुख करने के लिए प्रेरित किया है। भारतीय किसानों ने वर्ष 2025 में 1.2 करोड़ हेक्टेयर में सोयाबीन की बुवाई की थी, उम्मीद है कि इस साल इसका क्षेत्रफल 10 फीसदी तक बढ़ सकता है। पिछले महीने सोयाबीन की कीमतें 7,587 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गईं, जो चार साल का उच्चतम स्तर है। यह समर्थन मूल्य से काफी ऊपर है।

### चावल का भंडार बढ़कर लक्ष्य से पांच गुना ज्यादा

फसल वर्ष 2025-26 में देश में 15.4 करोड़ टन चावल का उत्पादन हुआ है। एक जून तक सरकारी गोदामों में बिना पिसा हुआ धान मिलाकर चावल का कुल स्टॉक 6.84 करोड़ टन के सर्वकालिक रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया।

सरकार ने एक जुलाई तक आरक्षित भंडार का जो लक्ष्य तय किया था, वह महज 1.35 करोड़ टन था। यानी सरकार के पास तय लक्ष्य से पांच गुना से भी ज्यादा चावल का स्टॉक मौजूद है।

भारत दुनिया के कुल चावल निर्यात में अकेले 40 फीसदी की हिस्सेदारी रखता है। जानकारों का कहना है कि अल नीनो की आशंकाओं के बावजूद, इस महा-स्टॉक के दम पर भारत बिना किसी डर के सप्लाई आक्रामक तरीके से जारी रख सकेगा।

# रक्षा क्षेत्र में भारत की बड़ी कामयाबी

## FY26 में उत्पादन 1.78 लाख करोड़ के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा

**नई दिल्ली।** भारत का रक्षा उत्पादन वित्त वर्ष 2025-26 में 1.78 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। इसमें पिछले वर्ष के मुकाबले इस वर्ष 15.6 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इसे आत्मनिर्भर भारत की बड़ी उपलब्धि बताया है। भारत ने रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में एक नया इतिहास रच दिया है। सरकार ने बुधवार को जानकारी दी कि पिछले वित्त वर्ष (2025-26) में देश का सालाना रक्षा उत्पादन 1.78 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। यह अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस सफलता का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रेरणादायी नेतृत्व को दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में रक्षा उत्पादन विभाग के साथ-साथ सरकारी और निजी क्षेत्रों की कोशिशों की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि यह बढ़ोतरी देश के मजबूत होते रक्षा औद्योगिक आधार का साफ संकेत है। सरकार की नीतियों, नई पहलों और निजी क्षेत्र की बढ़ती भागीदारी से आने वाले वर्षों में इस क्षेत्र में और भी तेजी आएगी। इस कुल उत्पादन में सरकारी कंपनियों की हिस्सेदारी लगभग 76 प्रतिशत रही। वहीं, निजी क्षेत्र का योगदान 24 प्रतिशत रहा।

### पिछले वर्ष की तुलना में 15.6 प्रतिशत की बढ़ोतरी

अगर पिछले वर्ष यानी वित्त वर्ष 2024-25 से तुलना करें, तो इसमें 15.6 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। उस समय यह आंकड़ा 1.54 लाख करोड़ रुपये था। रक्षा मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, वर्ष 2020-21 के मुकाबले रक्षा उत्पादन में 110 प्रतिशत का उछाल आया है। उस समय उत्पादन केवल 84,643 करोड़ रुपये था। अगर हम वर्ष 2013-14 की बात करें, तो तब रक्षा उत्पादन 43,746 करोड़ रुपये था। इस तरह पिछले कुछ वर्षों में यह लगभग चार गुना बढ़ गया है।

# दुनिया के केंद्रीय बैंक खरीदेंगे अभी और सोना, कीमतों में आ सकता है तेज उछाल

**नई दिल्ली।** आर्थिक अनिश्चितता के दौर में दुनिया भर के केंद्रीय बैंकों का भरोसा कागजी मुद्रा के बजाय एक बार फिर सोने पर ज्यादा मजबूत हो रहा है। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के वार्षिक सर्वे ने यह साफ कर दिया है कि रिजर्व मैनेजरों (आरक्षित निधि प्रबंधकों) के बीच अपने पोर्टफोलियो में सोने की हिस्सेदारी बढ़ाने को लेकर दीर्घकालिक रुझान है। सर्वे में दुनिया भर के 76 केंद्रीय बैंकों ने हिस्सा लिया, जो अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है। 84 फीसदी केंद्रीय बैंकों का मानना है कि पांच साल बाद कुल वैश्विक भंडार में सोने की हिस्सेदारी काफी ऊंची होगी। दिलचस्प बात यह है कि इस मामले में विकसित देशों, उभरते बाजारों व विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के केंद्रीय बैंक एक सुर में बात कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के आंकड़ों से पता चलता है कि वैश्विक भंडार में अमेरिकी डॉलर की हिस्सेदारी लगातार घट रही है। 74 फीसदी आरक्षित प्रबंधकों का अनुमान है कि पांच साल बाद वैश्विक भंडार में अमेरिकी डॉलर का हिस्सा वर्तमान के मुकाबले काफी कम हो

### लंबी अवधि का नजरिया सकारात्मक

वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल सर्वे के नतीजों पर केडिया एडवाइजरी के डायरेक्टर अजय केडिया ने कहा, दीर्घकालिक रूप से सोने की कीमतों का नजरिया तेज और आक्रामक बना हुआ है। कच्चे तेल से महंगाई बढ़ी है और उससे ब्याज दरों में इजाफा हो रहा है। ऐसे में तीन-चार माह तक सोने पर दवाब दिख सकता है। अगले एक साल में सोना वैशि्वक बाजार में 6100 से 6500 डॉलर प्रति औंस तक जाएगा। बैंक व अन्य वित्तीय संस्थान अब ग्राहकों को भ्रमित कर व गलत जानकारी देकर अपने उत्पाद नहीं बेच पाएंगे। अगर उन्होंने ऐसा किया तो तय समय में उस उत्पाद की मूल कीमत के साथ-साथ नुकसान की भरपाई के लिए मुआवजा भी देना होगा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने ग्राहकों की लिखित सहमति लेने में हो रहे बड़े खेल को रोकने के लिए नियम काफी सख्त कर दिए हैं।

### ग्राहकों की सहमति का मतलब

अब बैंक किसी भी उत्पाद को तभी बेच सकेगा जब ग्राहक ने उसके लिए स्पष्ट सहमति दी हो। विशिष्ट उत्पाद के लिए दी सहमति दूसरे उत्पाद के लिए स्वत: सहमति नहीं मानी जाएगी। ग्राहकों को उनकी लिखित सहमति दर्ज करने का विकल्प देना होगा। केवल अभी नहीं या सहमत नहीं के विकल्प से काम नहीं चलेगा।

## रोचक तथ्यों का करंट

- सबसे पुराना रेडिओ प्रसारण 1930 में हुआ जो अब 100,000 तारों को पार कर चूका होंगा।
- लाइट की गति से भी हमे अपने पास वाली गैलेक्सी एंड्रोमेडा में जाने के लिए 2 मिलियन वर्ष लगेंगे।
- 2000 किलोमीटर दूर ग्रेड बैरियर रीफ धरती की सबसे बड़ी जीवित संरचना है।
- दुनिया में समुद्र में सबसे ज्यादा गहराई मरिआना ट्रेंच में है जो पेसिफिक समुद्र में है। इसकी गहराई 35,797 फीट है।
- धरती से किसी उल्कापिंड के टकराने का खतरा 9300 में से एक बार होता है। न्यूक्लीयर रिएक्टरों को ठंडा किया जाए तो सुक्ष्म जिव भी संघर्ष कर सकते है।
- पुरुष में 1000 स्पर्म एक सेकंड में बनते है।
- एक तूफान में 8000 मेगाटन बम के निर्माण जितनी उर्जा होती है।
- सूर्य द्वारा छोड़े गए 800 अरब से ज्यादा न्यूट्रॉन आपके शरीर में से गुजर गये होंगे जब तक आपने यह वाक्य पढ़ा होगा।
- सहारा रेगिस्तान दुनिया का सबसे बड़ा रेगिस्तान है जो 3500,000 २०. माइल्स में फैला है।

## राशिफल

**मेष:** आराम व मनोरंजन के साधनों पर व्यय होगा। वैवाहिक प्रस्ताव प्राप्ति के योग हैं। राजकीय बाधा दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी।

**वृष:** जीवनसाथी का सहयोग प्राप्त होगा। भेंट व उपहार पर व्यय हो सकता है। किसी मामले की चिंता रह सकती है।

**मिथुन:** शारीरिक कष्ट की आशंका है। कार्य में विघ्न हो सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें। परीक्षा व साक्षात्कार इत्यादि में सफलता प्राप्त होगी।

**कर्क:** पुराना रोग उभर सकता है। अपेक्षित कार्यों में विलंब होने से तनाव रहेगा। आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है, सावधानी रखें।

**सिंह:** व्यस्तता के चलते स्वास्थ्य खराब हो सकता है। खान-पान का ध्यान रखें। प्रयास सफल रहेंगे। कार्यसिद्धि से प्रसन्नता रहेगी। राजमान के योग हैं।

**कन्या:** प्रतिद्वंद्विता में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में परेशानी हो सकती है। मन तथा शरीर में थकान महसूस होगी। घर में अतिथियों का आगमन होगा। व्यय होगा।

**तुला:** कोई बड़ा काम होने से प्रसन्नता रहेगी। भाग्य का साथ रहेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। धन प्राप्ति व रोजगार में वृद्धि होगी।

**वृश्चिक:** किसी मद में बड़ा खर्च हो सकता है। आर्थिक ? स्थिति कमजोर हो सकती है। किसी के उकसाने में न आएं। महत्वपूर्ण निर्णय सोच-समझकर करें।

**धनु:** आशंका-कुशंका के चलते निर्णय लेने की क्षमता कम होगी। थकान रह सकती है। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे।

**मकर:** लोगों की सहायता करने का अवसर प्राप्त होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। बिगड़े काम बनेंगे। उत्साह व प्रसन्नता से कार्य कर पाएंगे।

**कुंभ:** किसी धार्मिक कार्यक्रम में हिस्सा लेने का अवसर मिल सकता है। आत्मिक शांति रहेगी। किसी विवाद में विजय प्राप्त होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी।

**मीन:** वाहन, मशीनरी व अग्नि आदि के प्रयोग में सावधानी रखें। विशेषकर युवा वर्ग लापरवाही न करें। भागदौड़ अधिक होगी।

## चुटकुले

बंता ने पास में खड़े संता से पूछा –
अरे भाई ये कौन सा स्टेशन है?
संता हंसा, और हंसा, जोर जोर से हंसा, हंस हंस के लोट पोट हो गया।
और बड़ी मुश्किल से अपने आप को सम्भालते हुऐ बोला – 'पगले ये रेलवे स्टेशन है'।

---

चिंटू एक बार डबल डेकर वाली बस में चढ़ गया...
कंडक्टर ने उसे ऊपर भेज दिया,
चिंटू थोड़ी देर में भागता हुआ वापस आया और
बोला– भाई मरवाएगा क्या ऊपर
तो ड्राइवर ही नहीं है।

---

संता– डॉक्टर साहब क्या आप मेरी बीमारी का पता लगा सकते हैं?
डॉक्टर– हां, तुम्हारी आंखें बहुत कमजोर हैं।
संता– इतनी जल्दी आपको कैसे पता चला?
डॉक्टर– तुमने बाहर बोर्ड पर नहीं पढ़ा कि मैं जानवरों का डॉक्टर हूं।

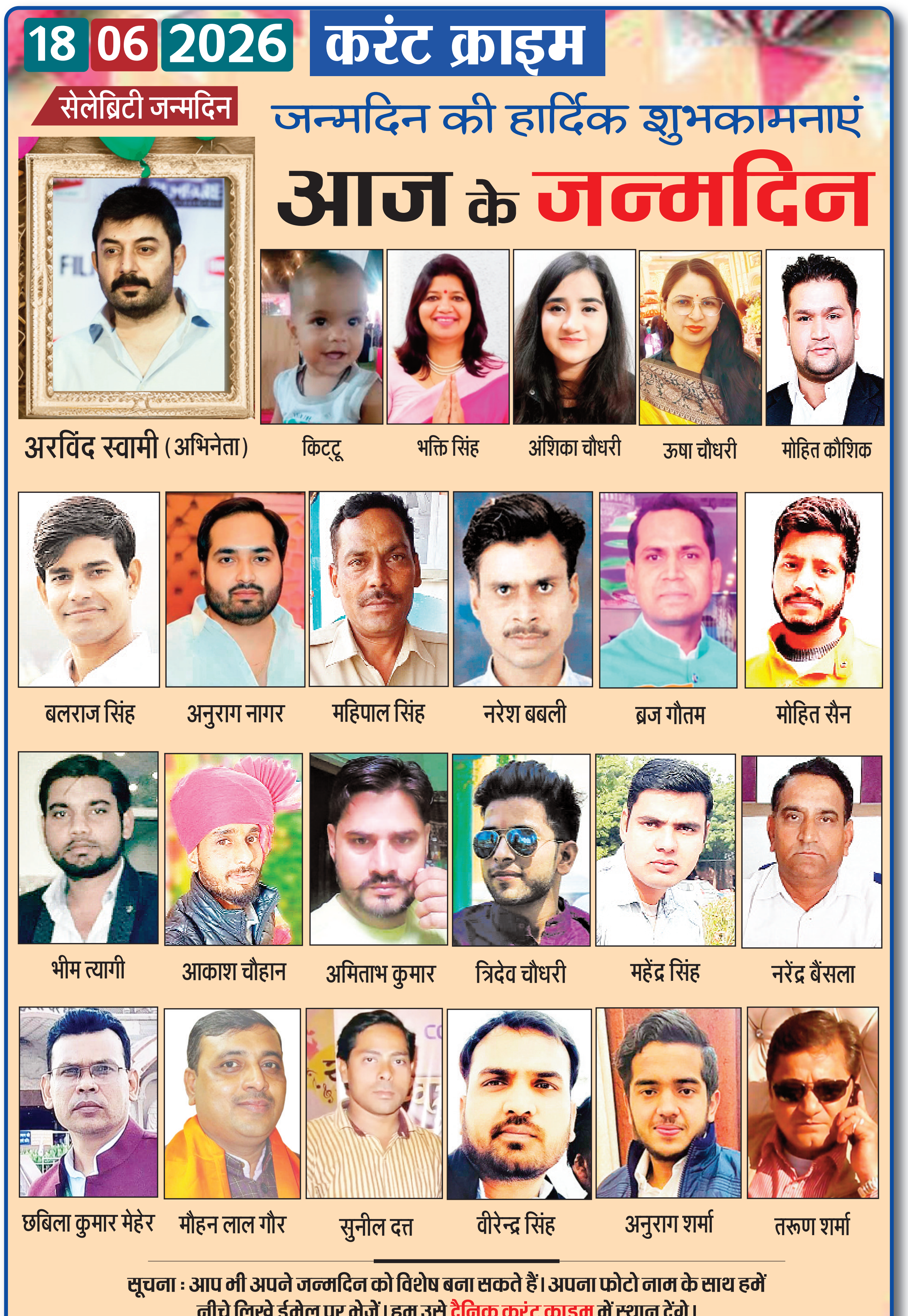


सूचना : आप भी अपने जन्मदिन को विशेष बना सकते हैं। अपना फोटो नाम के साथ हमें नीचे लिखे ईमेल पर भेजें। हम उसे दैनिक करंट क्राइम में स्थान देंगे।
Email : currentcrimenews@gmail.com

प्रिय पाठकों,
आप भी हमें भेज सकते हैं अपनी लिखी हुई कविता, चुटकुले, विचार, आर्टिकल या शहर से जुड़ी हुई कोई भी समस्या। हम उसे प्रमुखता से प्रकाशित करेंगे।

करंट क्राइम
K-4, A-Block, Govindpuram Commercial Area, Near LG Showroom, Ghaziabad, Mob 09899655497
Email: currentcrimenews@gmail.com
Website: www.currentcrime.com

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक मनोज कुमार ने ए.जी.एस. पब्लिकेशन, एफ-23, सैक्टर-6, नोएडा-201301 (गौतमबुद्धनगर) उत्तर प्रदेश से छपवाकर कार्यालय 'करंट क्राइम' बी-2बी/295, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058 से प्रकाशित किया। R.N.I NO. DELHIN/2015/65364

सम्पादक : मनोज कुमार
समाचार संपादक दीपक भाटी
संरक्षक : राकेश यादव, विवेक भाटी

दैनिक करंट क्राइम
समाचार पत्र में किसी भी तरह के डिस्प्ले एवं वर्गीकृत विज्ञापन (खोया-पाया, संबंध-विच्छेद, कोर्ट नोटिस, जीडीए सूचना, नाम परिवर्तन) आदि के लिए निम्न फोन नंबर एवं पते पर संपर्क करें।
संपर्क : के-2, ए ब्लॉक, कॉमर्शियल मार्केट, गोविन्दपुरम, गाजियाबाद
मो. : 9818606318 (हरीश कुमार)
8630290003 (विष्णु गुप्ता)

# वनडे में सबसे तेज शतक लगाने वाले पांचवें भारतीय कप्तान हैं शुभमन गिल

## ईशान किशन की विस्फोटक बल्लेबाजी

**लखनऊ।** भारतीय कप्तान शुभमन गिल और ईशान किशन ने अफगानिस्तान के खिलाफ दूसरे वनडे में शतक लगाए। इन दोनों बल्लेबाजों ने तीसरे विकेट के लिए दमदार बल्लेबाजी की।

शुभमन गिल और ईशान किशन ने अफगानिस्तान के खिलाफ दूसरे वनडे मैच में शानदार बल्लेबाजी की। गिल और ईशान ने तीसरे विकेट के लिए दमदार साझेदारी की और दोनों बल्लेबाजों ने इस मैच में शतक लगाए। गिल जहां संयमित होकर बल्लेबाजी करते दिखे तो ईशान ने वनडे में टी20 वाला रुख अपनाया। गिल इसके साथ ही वनडे में सबसे तेज शतक लगाने वाले पांचवें भारतीय कप्तान बन गए हैं।

### गिल-ईशान के आगे बेबस दिखने अफगानी गेंदबाज

अफगानिस्तान ने इस मैच में टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। अफगानिस्तान ने यशस्वी जायसवाल को आउट कर भारत को शुरूआती झटका दिया। इसके बाद गिल तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे और उन्होंने रोहित के साथ साझेदारी निभाई। रोहित हालांकि, अर्धशतक लगाने से चूक गए और 48 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद चौथे नंबर पर ईशान किशन को उतारा गया। ईशान और गिल ने मिलकर अफगानिस्तान के गेंदबाजों को जमकर परेशान किया और दोनों बल्लेबाजों ने हर गेंदबाज के खिलाफ रन बनाए। भारत को ईशान किशन के रूप में तीसरा झटका लगा जो शतक लगाकर पवेलियन लौटे। नांगेयालिया खारोटी की गेंद पर ऊंचा शॉट खेलने के चक्कर में ईशान अपना विकेट गंवा बैठे। ईशान इस मैच में विस्फोटक बल्लेबाजी कर रहे थे और 79 गेंदों पर 14 चौकों और सात छक्कों की मदद से 125 रन बनाकर आउट हुए। ईशान और गिल के बीच तीसरे विकेट के लिए 224 रनों की साझेदारी हुई।

गिल का नौवां शतक

भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने अफगानिस्तान के खिलाफ दूसरे वनडे मैच में 77 गेंदों पर शतक जड़ दिया। गिल का यह वनडे में नौवां सैकड़ा है। गिल इसके साथ ही वनडे में सबसे तेज शतक लगाने वाले पांचवें भारतीय कप्तान बन गए। वनडे में सबसे तेज शतक लगाने वाले भारतीय कप्तान का रिकॉर्ड रोहित शर्मा के नाम है जिन्होंने अफगानिस्तान के खिलाफ 2023 में 63 गेंदों पर शतक लगाया था।

**भारतीय कप्तानों के वनडे में सबसे तेज शतक (गेंदों के आधार पर)**

| बल्लेबाज | बनाम | स्थान | वर्ष | गेंदें |
|---|---|---|---|---|
| रोहित शर्मा | अफगानिस्तान | दिल्ली | 2023 | 63 |
| वीरेंद्र सहवाग | वेस्टइंडीज | इंदौर | 2011 | 69 |
| विराट कोहली | श्रीलंका | कोलंबो | 2017 | 76 |
| रोहित शर्मा | इंग्लैंड | कटक | 2025 | 76 |
| शुभमन गिल | अफगानिस्तान | लखनऊ | 2026* | 77 |

### ईशान की दमदार बल्लेबाजी

ईशान किशन ने इस मैच में दमदार बल्लेबाजी की। उन्होंने पहले 52 गेंदों पर अर्धशतक लगाया और अगली 19 गेंदों पर 53 रन जोड़कर शतक पूरा कर लिया। ईशान ने इस दौरान चौकों-छक्कों की बरसात कर दी। वह अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे में सबसे तेज शतक लगाने वाले तीसरे बल्लेबाज बन गए। उन्होंने इस मामले में ग्लेन मैक्सवेल को पीछे छोड़ा जिन्होंने 2023 में 76 गेंदों पर ऐसा किया था। उनसे आगे इस मामले में ईयोन मोर्गन और रोहित शर्मा हैं। मोर्गन ने अफगानिस्तान के खिलाफ 2019 में 57 गेंद और रोहित ने 2023 में 63 गेंदों पर शतक पूरा किया था।

### ईशान ने पूरे किए 1000 वनडे रन

ईशान ने इस मैच में दमदार प्रदर्शन के दम पर वनडे में भारत के लिए 1000 रन भी पूरे कर लिए। ईशान भारत के लिए सबसे कम गेंदों पर 1000 रन पूरे करने वाले छठे बल्लेबाज हैं। उनसे आगे महेंद्र सिंह धोनी, गिल, कपिल देव, केदार जाधव और हार्दिक पांड्या हैं।

# सेमीफाइनल की राह आसान करने उतरेगी टीम इंडिया, नीदरलैंड से मैच; संभावित प्लेइंग-11

**लीड्स।** पाकिस्तान के खिलाफ पहले मुकाबले में भारत ने जीत तो दर्ज की, लेकिन बल्लेबाजी पूरी तरह प्रभावी नहीं दिखी। सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना और निचले क्रम में ऋचा घोष ने महत्वपूर्ण पारियां खेलकर टीम को संभाला, लेकिन अन्य बल्लेबाज अपेक्षित योगदान नहीं दे सके।

सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा, कप्तान हरमनप्रीत कौर और मध्यक्रम की बल्लेबाज भारती फुलमाली बड़ा स्कोर बनाने में नाकाम रहीं। ऐसे में नीदरलैंड्स के खिलाफ मुकाबला भारतीय बल्लेबाजों के लिए लय हासिल करने का अच्छा अवसर होगा।

गेंदबाजों ने दिखाई थी दमदार फॉर्म

पहले मैच में भारतीय स्पिनरों ने शानदार प्रदर्शन किया था। दीप्ति शर्मा और श्री चरणी की जोड़ी ने मिलकर आठ विकेट झटके थे। दीप्ति ने पांच विकेट लेकर पाकिस्तान की बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी थी। श्री चरणी भी अपनी फ्लाइट और विविधता से बल्लेबाजों को लगातार परेशान कर रही हैं। हालांकि तेज गेंदबाज अरुंधति रेड्डी और क्रांति गौड़ ज्यादा प्रभाव नहीं छोड़ सकीं। दोनों खिलाड़ी इस मुकाबले में शुरूआती विकेट निकालकर अपनी छाप छोड़ना चाहेंगी।

फील्डिंग में भी सुधार की जरूरत

पाकिस्तान के खिलाफ भारतीय टीम की फील्डिंग शुरूआत में कुछ कमजोर रही थी। हालांकि बाद में खिलाड़ियों ने कुछ अच्छे कैच लपके, लेकिन बड़े मुकाबलों से पहले टीम को इस विभाग में और सुधार करना होगा। भारत को ग्रुप चरण में आगे ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका जैसी मजबूत टीमों का सामना करना है। ऐसे में नीदरलैंड्स के खिलाफ मुकाबला तैयारियों को मजबूत करने का अवसर भी होगा।

**हार के बाद दबाव में नीदरलैंड**

नीदरलैंड्स की टीम अपना पहला मैच बांग्लादेश से हारकर आ रही है। कप्तान बाबेट डी लीडे ने भी माना कि उनकी टीम बल्लेबाजी, गेंदबाजी और फील्डिंग तीनों विभागों में उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सकी। उन्होंने कहा, 'खेल के तीनों विभागों में हम वह प्रदर्शन नहीं कर पाए जिसकी उम्मीद थी। बल्लेबाजी में हम कुछ रन पीछे रह गए और फील्डिंग में भी हमने कुछ कैच छोड़े। हमें काफी कुछ सीखना और सुधारना होगा।' भारत इस मुकाबले में जीत की प्रबल दावेदार माना जा रहा है, लेकिन टीम की नजर सिर्फ दो अंक हासिल करने पर नहीं बल्कि बल्लेबाजी और फील्डिंग में कमियों को दूर करने पर भी होगी।

### संभावित प्लेइंग-11

**भारतः** स्मृति मंधाना, शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, हरमनप्रीत कौर (कप्तान), भारती फुलमाली, ऋचा घोष (विकेटकीपर), दीप्ति शर्मा, अरुंधति रेड्डी, श्रेयंका पाटिल, श्री चरणी, क्रांति गौड़।

**नीदरलैंडः** स्टेरे कालिस, सान्या खुराना, फीबे मोल्केनबोयर, बाबेट डी लीडे (कप्तान एवं विकेटकीपर), रोबिन रिज्के, आइरिस ज्विलिंग, हीदर सीगर्स, फ्रेडरिक ओवरडाइक, कैरोलिन डी लांगे, सिल्वर सीगर्स, इसाबेल वोनिंग।

# दूसरे वनडे में क्यों नहीं खेल रहे नीतीश रेड्डी? बीसीसीआई ने बताया कारण

**लखनऊ।** भारत और अफगानिस्तान के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज का दूसरा वनडे मुकाबला लखनऊ के भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी इकाना क्रिकेट स्टेडियम में खेला जा रहा है। अफगानिस्तान के कप्तान हशमातुल्लाह शाहिदी ने टॉस जीतकर पहले भारतीय टीम को बल्लेबाजी करने का न्योता दिया है। नीतीश कुमार रेड्डी इस मुकाबले में भारत की प्लेइंग इलेवन का हिस्सा नहीं हैं।

**बीसीसीआई की मेडिकल टीम की नजर में नीतीशः** नीतीश की फिटनेस को लेकर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने बड़ा अपडेट दिया है। बीसीसीआई ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी देते हुए बताया कि नीतीश बाएं जांघ में चोट लगने की वजह से वह दूसरे वनडे में चयन के लिए उपलब्ध नहीं हो सके। बोर्ड ने बताया कि बीसीसीआई की मेडिकल टीम उनका ध्यान रख रही है। नीतीश का प्रदर्शन पहले वनडे मुकाबले में गेंद से शानदार रहा था। उन्होंने दो अहम विकेट अपने नाम किए थे। दूसरे वनडे मुकाबले के लिए भारतीय टीम ने अपनी प्लेइंग इलेवन में तीन बदलाव किए हैं। आईपीएल 2026 में दमदार प्रदर्शन के बूते भारतीय टीम में जगह बनाने वाले तेज गेंदबाज प्रिंस यादव अपना वनडे डेब्यू कर रहे हैं।

# 'रोहित-विराट के संन्यास पर फैसला उन्हीं का होना चाहिए': बोले अजहरुद्दीन

## गिल और सरफराज पर भी उठाए सवाल

**नई दिल्ली।** मोहम्मद अजहरुद्दीन ने कहा है कि रोहित शर्मा और विराट कोहली के संन्यास का फैसला पूरी तरह उनका व्यक्तिगत मामला है और इस पर किसी तरह का दबाव नहीं होना चाहिए। उन्होंने शुभमन गिल को टी20 टीम से बाहर रखने पर सवाल उठाए, जबकि सरफराज खान और आकिब नबी की अनदेखी को भी निराशाजनक बताया। साथ ही उन्होंने श्रेयस अय्यर की कप्तानी का समर्थन किया और टेस्ट क्रिकेट को अधिक बढ़ावा देने की वकालत की।

पूर्व भारतीय कप्तान मोहम्मद अजहरुद्दीन ने रोहित शर्मा और विराट कोहली के भविष्य को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि दोनों दिग्गज खिलाड़ियों के संन्यास का फैसला पूरी तरह उनका व्यक्तिगत मामला है और इस पर अंतिम निर्णय वही लें। अजहरुद्दीन ने साथ ही शुभमन गिल को टी20 टीम से बाहर रखने, सरफराज खान और आकिब नबी को टेस्ट टीम में मौका नहीं मिलने पर भी सवाल उठाए।

**रोहित-विराट के संन्यास पर क्या बोले अजहरुद्दीन?**

रोहित शर्मा और विराट कोहली के भविष्य को लेकर चल रही चचाओं पर अजहरुद्दीन ने कहा, 'यह बहुत व्यक्तिगत मामला है। खिलाड़ी को खुद तय करना चाहिए कि उसके लिए संन्यास लेने का सही समय कब है। जब उसे लगे कि अब काफी हो गया है या नहीं, यह फैसला उसी का होना चाहिए। रोहित और विराट दोनों ने भारतीय क्रिकेट को बहुत कुछ दिया है और मुझे यकीन है कि उनमें अभी भी काफी क्रिकेट बाकी है।'

उन्होंने आगे कहा, 'लोग लगातार संन्यास की बातें करते रहते हैं, लेकिन खिलाड़ी खुद जानता है कि उसके शरीर में क्या चल रहा है, उसकी मानसिक स्थिति कैसी है और उसके खेल पर क्या असर पड़ रहा है। दोनों खिलाड़ियों ने देश के लिए बहुत बड़ी सेवा की है और उनका सम्मान किया जाना चाहिए।'

**गिल को टी20 से बाहर रखने पर जताई हैरानीः** अजहरुद्दीन ने शुभमन गिल को टी20 टीम से बाहर रखने के फैसले पर भी सवाल उठाया। उनका मानना है कि गिल सभी प्रारूपों के खिलाड़ी हैं और उन्हें किसी भी फॉर्मेट से बाहर नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, 'गिल कप्तानी बहुत अच्छी तरह संभाल रहे हैं। उनके व्यक्तिगत प्रदर्शन में भी काफी सुधार आया है। वह बेहतरीन खिलाड़ियों में से एक हैं।

# वैभव सूर्यवंशी के साथ उलझना हालमबागे को पड़ा भारी

**दांबुला।** त्रिकोणीय सीरीज के दौरान भारत ए के खिलाड़ी वैभव सूर्यवंशी के साथ उलझना श्रीलंका ए के खिलाड़ी विशेन हालमबागे को भारी पड़ा है। वहीं, इसी मैच के एक अलग मामले में निरोशन डिकवेला पर भी कार्रवाई की गई है।

श्रीलंका के क्रिकेटर विशेन हालमबागे और सीनियर विकेटकीपर निरोशन डिकवेला पर श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) द्वारा नियुक्त मैच रेफरी प्रदीप जयप्रकाश ने अलग-अलग मामलों में कार्रवाई की है। यह कार्रवाई भारत के खिलाफ त्रिकोणीय ए सीरीज के मैच के दौरान उनके व्यवहार के कारण की गई है। सूत्रों के मुताबिक डिकवेला पर जरूरत से ज्यादा अपील करने के लिए कार्रवाई की गई है।

**अलग-अलग मामले पर हुई कार्रवाई**

डिकवेला ने ही वैभव सूर्यवंशी और हालमबागे के बीच हुई बहस को और ज्यादा बिगड़ने से रोका था। हालमबागे पर सुपर ओवर में जीत के बाद भारतीय बल्लेबाजों के बारे में उकसाने वाली टिप्पणी करने के लिए कार्रवाई की गई है, जिसकी वजह से 15 साल के भारतीय सुपरस्टार के साथ लगभग हाथापाई की नौबत आ गई थी।

**क्या था पूरा मामला**

यह मामला सुपर ओवर के आखिरी गेंद फेंके जाने के बाद हुई जब कुगाथस माथुलन ने वैभव को गेंद डाली। भारत ए को उस समय आखिरी गेंद पर आठ रन की जरूरत थी। माथुलन ने शानदार यार्कर डाली जिस पर वैभव शॉट नहीं खेल पाए। इसके बाद वह जश्न मनाने लगे और श्रीलंका ए के खिलाड़ी भी इसमें शामिल हो गए।

हालमबागे पर सुपर ओवर में जीत के बाद भारतीय बल्लेबाजों के प्रति उकसावे वाली टिप्पणी करने के लिए कार्रवाई की गई जिससे 15 साल के भारतीय खिलाड़ी सूर्यवंशी के साथ लगभग हाथापाई की नौबत आ गई थी। सूर्यवंशी को हालमबागे को धक्का देना पड़ा जो तीखी बहस के दौरान उनके बहुत करीब आ गए थे।

इसके बावजूद वैभव का गुस्सा शांत नहीं हुआ और वह पीछे हटते हुए भी विरोधी खिलाड़ी को लगातार खरी-खोटी सुनाते नजर आए।

**भारतीय खिलाड़ियों को लेकर क्या है अपडेट?**

सजा क्या मिली है या अभी पता नहीं चला है। इस बात की पुष्टि नहीं हुई है कि सूर्यवंशी और उनके कप्तान तिलक वर्मा समेत अन्य भारतीय खिलाड़ियों को सिर्फ चेतावनी देकर छोड़ दिया गया या उन पर आधिकारिक कार्रवाई की गई। तिलक समेत भारतीय खिलाड़ियों की अंपायरों के साथ लंबी बहस हुई थी और वे कम रोशनी में सुपर ओवर कराने पर जोर दे रहे थे।

# आज अपने छठे विश्व कप में खेलने उतरेंगे क्रिस्टियानो रोनाल्डो

## एक गोल दाग कर रच देंगे इतिहास

**हुआस्टन।** पुर्तगाल के क्रिस्टियानो रोनाल्डो फीफा विश्व कप में आज खेलने उतरेंगे। कायलियन एमबाप्पे और लियोनल मेसी ने तो विश्व कप की धमाकेदार शुरूआत की है और अब नजरें रोनाल्डो पर हैं जो अपना छठा विश्व कप खेलने उतरेंगे।

फीफा विश्व कप में नामी गिरामी सितारों के शानदार प्रदर्शन के बीच पुर्तगाल के क्रिस्टियानो रोनाल्डो अपने पहले मैच में कांगो के खिलाफ उतरेंगे तो छठा विश्व कप खेल रहे 41 बरस के इस दिग्गज पर सभी की नजरें होंगी। फ्रांस के कायलियन एमबाप्पे और नॉर्वे के एर्लिंग नीदरलैंड पहले मैच में दो-दो गोल कर चुके हैं, जबकि अर्जेंटीना के लियोनल मेसी ने हैट्रिक लगाकर जर्मनी के मिरोस्लाव क्लोसे के 16 गोल के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली।

रोनाल्डो भी छह विश्व कप में गोल करने वाले पहले खिलाड़ी बनना चाहेंगे। मेसी का भी यह छठा विश्व कप है लेकिन वह 2010 में गोल नहीं कर सके थे। रोनाल्डो ने पिछले सप्ताह टीम की रवानगी से पहले पुर्तगाल में कहा था, हम मैच दर मैच रणनीति बनाएंगे। अच्छी शुरूआत काफी जरूरी है।

पुर्तगाल के लिए जरूरी है रोनाल्डो की फॉर्म

कतर में 2022 में विश्व कप में सिर्फ एक गोल कर सके रोनाल्डो को दक्षिण कोरिया के खिलाफ मैच के दौरान बाहर बिठाया गया और स्विटजरलैंड के खिलाफ नॉकआउट चरण के मैच में भी वह बेंच पर रहे। वह यूरो चैंपियनशिप 2024 में भी गोल नहीं कर सके थे। उन्होंने हालांकि यूएफा नेशंस लीग में आठ गोल करके पुर्तगाल को खिताब दिलाया जिसमें स्पेन के खिलाफ फाइनल में बराबरी का गोल शामिल है। वहीं अल नासर को पहला सउदी प्रो लीग खिताब भी दिलाया और क्लब के लिए 28 गोल कर चुके हैं।

**न्यूजीलैंड के लिए विश्व कप खेलने वाली मां बेटे की जोड़ीः** टाइलर बिंडन ईरान के खिलाफ विश्व कप के पहले मुकाबले में न्यूजीलैंड के लिए मैदान पर उतरे तो उन्होंने अपनी मां के साथ मिलकर इतिहास रच दिया। जेनी बिंडन और टाइलर विश्व कप खेलने वाली मां बेटे की पहली जोड़ी है। जेनी 2004 से 2014 तक न्यूजीलैंड की गोलकीपर थीं और 2007 तथा 2011 महिला विश्व कप के अलावा 2008 और 2012 ओलंपिक खेल चुकी हैं। टाइलर सोमवार को विश्व कप मैच में स्थानापन्न खिलाड़ी के तौर पर उतरे तो उनके माता-पिता भी दर्शक दीर्घा में मौजूद थे।

# 27 ओवर के बाद अफगानिस्तान ए की आधी टीम लौटी पवेलियन

**दांबुला।** भारत-ए और अफगानिस्तान-ए के बीच त्रिकोणीय सीरीज का पांचवां मैच खेला जा रहा है। यह मुकाबला दांबुला में खेला जा रहा है। अफगानिस्तान-ए ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। भारत-ए टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में नौ विकेट पर 319 रन बनाए। जवाब में अफगानिस्तान-ए ने 28 ओवर में पांच विकेट गंवाकर 175 रन बना लिए हैं। फिलहाल मोहम्मद इशाक और फरमानुल्लाह सफी क्रीज पर हैं। इस मुकाबले में भारत-ए की टीम ने अच्छी शुरूआत की, लेकिन वैभव सूर्यवंशी फिर एक बार अर्धशतक नहीं लगा सके, पर प्रियांश आर्य, कप्तान तिलक वर्मा और कुमार कुशाग्र ने अर्धशतक जमा दिए।

## बहिर शाह ने जड़ा अर्धशतक

### अफगानिस्तान की पारी

यश ठाकुर ने तीसरे ओवर में हसन ऐसाखिल को ऋतुराज के हाथों कैच कराया। वह नौ गेंद में 14 रन बना सके।

टीम को दूसरा झटका 5.4 ओवर में लगा, जब अंशुल कंबोज ने खालिद तानिवाल को आउट कर पवेलियन भेज दिया। तानिवाल ने 10 गेंदों में 13 रन बनाए। उनका कैच वैभव सूर्यवंशी ने लपका। अफगानिस्तान ए को तीसरा झटका तब लगा जब निशांत सिंधु ने इमरान मीर को अपना शिकार बनाया। मीर 27 गेंदों पर 32 रन बनाकर खेल रहे थे, लेकिन सूर्यांश शेडगे ने उनका कैच लपककर उनकी पारी का अंत कर दिया। फसील शिनोजादा ने 46 रनों की उपयोगी पारी खेली और टीम को संभालने की कोशिश की, लेकिन वे अनुकूल रॉय की गेंद पर आउट हो गए। अनुकूल रॉय ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए अपनी ही गेंद पर कैच करके पवेलियन भेजा। 28वें ओवर की पहली बॉल पर अफगानिस्तान-ए ने 5वां विकेट गंवाया। यहां पर बहीर शाह 57 रन बनाकर आउट हुए। उनकी पारी का अंत विप्रज निगम की गेंद पर हुआ, जब वे सूर्यांश शेडगे के हाथों कैच आउट हो गए।

**भारत की पारी**

- पहले बल्लेबाजी करते हुए वैभव और प्रियांश ने 75 रन की ओपनिंग साझेदारी निभाई। वैभव 28 गेंद में चार चौके और दो छक्के की मदद से 38 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें दावुदजई ने खालिद के हाथों कैच कराया।
- वहीं, प्रियांश ने 34 गेंद में अर्धशतक लगाया। वह 42 गेंद में नौ चौके और एक छक्के की मदद से 58 रन बनाकर आउट हुए। ऋतुराज गायकवाड़ 31 गेंद में चार चौके की मदद से 30 रन बना सके।
- हालांकि, इसके बाद कुमार कुशाग्र ने कप्तान तिलक के साथ मिलकर पारी संभाली। दोनों ने चौथे विकेट के लिए 122 गेंद में 104 रन की साझेदारी निभाई। कुशाग्र 67 गेंद में पांच चौके की मदद से 58 रन बनाकर आउट हुए।
- वहीं, सूर्यांश शेडगे कुछ खास नहीं कर सके और सात रन बनाकर पवेलियन लौट गए। इसके बाद तिलक वर्मा की बेहतरीन पारी समाप्त हुई। वह 75 गेंद में पांच चौके की मदद से 59 रन बनाकर आउट हुए।
- तिलक के आउट होने के बाद विप्रज ने निशांत के साथ 29 गेंद में 41 रन की तेज साझेदारी की। निशांत 26 गेंद में 21 रन बनाकर आउट हुए।
- वहीं, विप्रज ने 20 गेंद में चार चौके की मदद से 30 रन की पारी खेली। अनुकूल रॉय चार रन बना सके। अंशुल कंबोज आखिरी गेंद पर रन आउट हुए।
- अफगानिस्तान-ए की ओर से फरीदून दाउदजई, अब्दुल्लाह अहमदजई और फरमनुल्लाह साफी ने दो-दो विकेट लिए। जहीर खान को एक विकेट मिला।

### त्रिकोणीय सीरीज में भारत का प्रदर्शन

भारत-ए ने अब तक इस त्रिकोणीय सीरीज में इस मैच से पहले तीन मैच खेले हैं। टीम को एक में जीत मिली है, जबकि दो में टीम हार चुकी है। भारत के दो अंक हैं। वहीं, श्रीलंका ने तीन में से दो जीते हैं और शीर्ष पर है। अफगानिस्तान ने दो में से एक गंवाए है और भारत के खिलाफ जीत हासिल की थी।

# वर्ल्ड कप में चमके किलियन एमबाप्पे और एरलिंग हालंद

## टीम को ट्रॉफी जिताने पर दोनों स्टार्स का फोकस

**न्यूयॉर्क।** फीफा विश्व कप 2026 के छठे दिन फुटबॉल जगत के दो सबसे बड़े सितारे किलियन एमबाप्पे और एरलिंग हालंद छाए रहे। एमबाप्पे ने सेनेगल के खिलाफ दो गोल दागकर फ्रांस को 3-1 से जीत दिलाई, जबकि हालंद ने विश्व कप पदार्पण मैच में दो गोल और एक असिस्ट के साथ नॉर्वे को इराक पर 4-1 की शानदार जीत दिलाई। दोनों खिलाड़ियों ने व्यक्तिगत उपलब्धियां हासिल कीं, लेकिन मैच के बाद उनका ध्यान रिकॉर्ड्स से ज्यादा अपनी-अपनी टीमों की सफलता पर केंद्रित नजर आया।

**एमबाप्पे बने फ्रांस के सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी**

सेनेगल के खिलाफ मुकाबले में दो गोल करते ही किलियन एमबाप्पे फ्रांस के लिए अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी बन गए। उनके नाम अब 58 गोल हो गए हैं और उन्होंने ओलिवियर गिरौद (57) को पीछे छोड़ दिया है। इसके साथ ही एमबाप्पे विश्व कप में फ्रांस के लिए सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी भी बन गए। उनके नाम अब विश्व कप में 14 गोल हैं और उन्होंने जस्ट फॉनटेन (13) का रिकॉर्ड तोड़ दिया। हालांकि, मैच के बाद एमबाप्पे ने साफ कर दिया कि उनका लक्ष्य व्यक्तिगत रिकॉर्ड नहीं, बल्कि फ्रांस को विश्व कप जिताना है।

उन्होंने कहा, 'मैं चाहता हूं कि मेरा नाम फ्रांस के फुटबॉल इतिहास में याद रखा जाए।

# जीडीए के विशेष शिविर में दूसरे दिन भी उमड़ी भीड़

## ओटीएस और पीएम आवास योजना के मामलों का हुआ त्वरित निस्तारण

### 24 नए आवेदन प्राप्त, 14 आवेदकों को जारी किए गए मांगपत्र, मधुबन बापूधाम रजिस्ट्री कैंप में 10 नए प्रार्थना-पत्र मिले

**गाजियाबाद (करंट क्राइम)।** गाजियाबाद विकास प्राधिकरण द्वारा आमजन की सुविधा और लंबित मामलों के समयबद्ध निस्तारण के उद्देश्य से आयोजित विशेष शिविर के दूसरे दिन भी नागरिकों की अच्छी भागीदारी देखने को मिली। प्राधिकरण की ओर से 16 जून से 18 जून तक आयोजित किए जा रहे इस विशेष अभियान में ओटीएस (एकमुश्त समाधान) योजना और मधुबन बापूधाम स्थित प्रधानमंत्री आवास योजना से जुड़े मामलों पर प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई की जा रही है।

बुधवार को आयोजित शिविर में वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में प्राप्त आवेदनों की समीक्षा कर नियमानुसार त्वरित निस्तारण किया गया। प्राधिकरण के अनुसार, ओटीएस योजना के तहत दूसरे दिन ऑनलाइन माध्यम से 24 नए आवेदन प्राप्त हुए। वहीं पूर्व से लंबित मामलों में कार्रवाई करते हुए 14 आवेदकों को मांगपत्र जारी किए गए, जिससे उनके मामलों के निस्तारण की प्रक्रिया आगे बढ़ सकी। इसके अलावा मधुबन बापूधाम स्थित प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत आवंटियों की रजिस्ट्री प्रक्रिया को गति देने के लिए लगाए गए विशेष कैंप में भी उत्साहजनक परिणाम सामने आए। शिविर के दौरान रजिस्ट्री के लिए 10 नए प्रार्थना-पत्र प्राप्त हुए हैं। इन सभी मामलों में आवश्यक औपचारिकताएं पूरी होने के बाद रजिस्ट्री आदेश जारी किए जाएंगे।

गाजियाबाद विकास प्राधिकरण का कहना है कि इस विशेष शिविर का उद्देश्य नागरिकों की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करना और लंबित मामलों को प्राथमिकता के आधार पर निपटाना है। प्राधिकरण ने सभी आवंटियों और नागरिकों से अपील की है कि वे शिविर की अवधि का लाभ उठाकर अपने लंबित मामलों का समय रहते समाधान कराएं। अधिकारियों के अनुसार शिविर के माध्यम से लोगों को एक ही स्थान पर आवश्यक सेवाएं और मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे उन्हें कार्यालयों के बार-बार चक्कर नहीं लगाने पड़ रहे हैं।

# योग दिवस और महासफाई अभियान की तैयारियां तेज

## महापौर-नगर आयुक्त ने बनाई रणनीति

### योग दिवस को इस बार बनाया जाएगा खास

**गाजियाबाद, करंट क्राइम :** आगामी 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस और 20 जून को प्रस्तावित महासफाई अभियान को लेकर गाजियाबाद नगर निगम ने व्यापक तैयारियां शुरू कर दी हैं। योग दिवस को जन-आंदोलन का स्वरूप देने व स्वच्छता के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से महापौर सुनीता दयाल, नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक, पार्षदों और निगम अधिकारियों ने वर्चुअल बैठक के माध्यम से रणनीति तैयार की। उत्तर प्रदेश सरकार के आयुष विभाग के प्रमुख सचिव रंजन कुमार द्वारा आयोजित वर्चुअल बैठक में नगर निकायों को योग दिवस एवं स्वच्छता अभियान के सफल आयोजन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में नगर विकास निदेशक अनुज कुमार झा ने सभी निकायों को तैयारियों की समीक्षा कर समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। महापौर सुनीता दयाल ने बताया कि योग दिवस पर नगर निगम मुख्यालय में सामूहिक योग कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसमें पार्षद, निगम अधिकारी एवं आम नागरिक भी भाग ले सकेंगे। शहर के प्रमुख सार्वजनिक स्थलों, पार्कों और वार्डों में योग शिविर लगाए जाएंगे तथा योग के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा। विशेष रूप से वरिष्ठ नागरिकों को योग के लाभों से जोड़ने पर भी जोर दिया जाएगा।

### 100 वार्ड में चलेगा सफाई अभियान

**करंट क्राइम :** नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने बैठक के बाद अधिकारियों को निर्देशित किया कि 20 जून को नगर निगम के सभी 100 वार्डों में जनसहभागिता के साथ विशेष महासफाई अभियान चलाया जाए। इसके लिए अपर नगर आयुक्त अवनींद्र कुमार एवं उद्यान विभाग के प्रभारी डॉ. अनुज को विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं। पार्कों की साफ-सफाई, सौंदर्यीकरण और योग कार्यक्रमों के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएंगी।

# मुरादनगर में पुलिस मुठभेड़ लूटकांड के आरोपी को पैर में गोली मारकर गिरफ्तार किया

**गाजियाबाद, करंट क्राइम।** पुलिस कमिश्नरेट की थाना मुरादनगर पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस मुठभेड़ के दौरान लूट की वारदात में शामिल एक आरोपी को घायल अवस्था में गिरफ्तार किया गया। आरोपी के कब्जे से अवैध तमंचा, कारतूस, लूटा गया मोबाइल फोन, घटना में प्रयुक्त ऑटो रिक्शा और नकदी बरामद हुई है। एसीपी अजय सिंह ने बताया है कि पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे के पास चेकिंग के दौरान मुखबिर से सूचना मिली थी कि लूट की घटना को अंजाम देने वाला बदमाश अपने साथियों के साथ नवीपुर बम्बा अंडरपास के पास किसी नई वारदात की फिराक में है। सूचना पर पुलिस टीम ने घेराबंदी की। इसी दौरान एक ऑटो रिक्शा आता दिखाई दिया, जिसे रोकने का प्रयास किया गया। लेकिन चालक ऑटो मोड़कर भागने लगा और बम्बे के पास फंस गया।

खुद को घिरता देख आरोपी ने पुलिस टीम पर तमंचे से फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस की गोली आरोपी के पैर में लगी, जिसके बाद उसे दबोच लिया गया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान करन (24 वर्ष), निवासी शिव विहार, करावल नगर, दिल्ली के रूप में हुई है।

पूछताछ में आरोपी ने खुलासा किया कि उसने अपने साथियों पुनित शर्मा, जतिन मित्तल और अनुराग गुप्ता के साथ मिलकर मेरठ मोड़ से एक व्यक्ति को ऑटो में बैठाकर उससे दो मोबाइल फोन और 5600 रुपये लूटे थे। वारदात के बाद पीड़ित को सुनसान इलाके में छोड़ दिया गया था। लूट का पैसा आपस में बांट लिया गया था, जबकि एक मोबाइल साथी को दे दिया गया और दूसरा आरोपी ने अपने पास रख लिया था।

पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक अवैध तमंचा, एक खोखा कारतूस, एक जिंदा कारतूस, लूटा गया मोबाइल फोन, वारदात में प्रयुक्त ऑटो रिक्शा और 700 रुपये नकद बरामद किए हैं। घायल आरोपी को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है। पुलिस फरार साथियों की तलाश में जुटी है और आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

## धर्म

**गाजियाबाद (करंट क्राइम)।** गौ रक्षार्थ धर्मयुद्ध यात्रा गाजियाबाद से शुरू हुई। 81 दिवसीय धर्म यात्रा का नेतृत्व जगत गुरू शंकराचार्य श्री अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के नेतृत्व में हो रहा है। इस अवसर पर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष साध्वी महंत कैलाश गिरी ने जगत गुरू शंकराचार्य श्री अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती का स्वागत किया और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया।

# दुष्कर्म के बाद किशोरी का जबरन गर्भपात कराने का आरोप

**हापुड़।** हापुड़ जिले के सिंभावली के एक गांव निवासी एक व्यक्ति ने अपनी नाबालिग बेटी का जबरन गर्भपात कराने और धमकी देने के आरोप में तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पीड़ित पिता ने बताया कि वर्ष 2025 में उसकी नाबालिग बेटी की गांव के ही एक युवक से जान-पहचान हो गई थी। परिवार के विरोध के बावजूद दोनों के बीच संपर्क बना रहा। उनका आरोप है कि युवक ने शादी का झांसा देकर नाबालिग के साथ संबंध बनाए, जिससे वह गर्भवती हो गई। गर्भावस्था की जानकारी मिलने पर युवक के परिजनों को इसकी सूचना दी गई। इसके बाद आरोपी पक्ष ने मामले को दबाने का प्रयास किया और पीड़ित परिवार पर गर्भपात कराने का दबाव बनाया।

विरोध करने पर जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप लगाया गया है। पीड़ित ने बताया कि 2 जून को आरोपियों ने दबाव बनाकर गर्भपात कराने की व्यवस्था की। आरोप है कि एक महिला की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में नाबालिग का गर्भपात कराया गया।

# चंदन रोली का तिलक लगाकर छात्रों का स्वागत, पहले दिन कम रही उपस्थिति

**हापुड़।** गर्मियों की छुट्टियों के बाद मंगलवार को परिषदीय स्कूल खुल गए। पहले दिन छात्रों का पुष्प वर्षा और चंदन रोली का तिलक लगाकर स्वागत किया गया। मिड डे मील में छात्रों ने हलुवा, खीर और पुरी का लुत्फ उठाया। सेल्फी प्वाइंट, मनोरंजक गतिविधियों में शामिल होकर छात्रों ने आनंद लिया। साथ ही स्कूलों में एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम का भी आयोजन हुआ।

मंगलवार को पहले दिन स्कूलों में छात्रों की संख्या बेहद कम रही। कुछ स्कूलों में तो एक या दो छात्र ही पहुंचे। पहले से ही प्रस्तावित कार्यक्रम के तहत शिक्षक सुबह स्कूल टाइम में स्कूल के गेट पर रोली चंदन की थाली, पुष्प लेकर खड़े गए। सबसे पहले आने वाले छात्रों का स्वागत करने के साथ ही चॉकलेट भी दी गई। स्कूल आने वाले हर छात्र के ऊपर पुष्प वर्षा की गई। पहले दिन चॉक-डस्टर और किताबों के बजाए शिक्षकों ने स्वनिर्मित और रंग बिरंगे टीएलएम शिक्षण अधिगम सामग्री का उपयोग किया। इस विधि से पढ़ाई कर छात्रों के चेहरे खुशी से खिल उठे। स्कूलों के अंदर ही सेल्फी प्वाइंट भी बनाए गए, यहां छात्रों ने सेल्फी लेकर इस दिन को यादगार बनाया। दोपहर के समय मिड डे मील में छात्रों को हलुवा, पुरी और खीर खिलाई गई। छात्रों ने इन व्यंजनों का खूब स्वाद लिया। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी दीपा भाटी ने बहुत से स्कूलों का निरीक्षण किया। पहले दिन छात्रों से बातचीत कर उनका उत्साह बढ़ाया। इस दौरान स्कूल में एक पेड़ मां के नाम भी लगाया गया। छात्रों ने बढ़ चढ़कर इसमें भाग लिया, साथ ही पर्यावरण संरक्षण का भी पाठ पढ़ा। इस मौके पर बीईओ देशराज वत्स, पंकज चतुर्वेदी, डीसी एमडीएम प्रदीप चौधरी ने बच्चों का उत्साह बढ़ाया। भावना शर्मा, रेनू चौधरी, तस्वार अली, सुधा रानी का सहयोग रहा।

# बसपा ने किया साहिबाबाद में दो बूथों का गठन

**साहिबाबाद (करंट क्राइम)।** गाजियाबाद बहुजन समाज पार्टी की जिला इकाई की ओर से बुधवार को साहिबाबाद विधानसभा क्षेत्र में बूथ गठन का कार्य किया गया। विधानसभा साहिबाबाद के सेक्टर नंबर 107 में बूथ संख्या 1056 और 57 का गठन किया गया। बैठक में मेरठ मंडल प्रभारी सतपाल पीपला और मंडल प्रभारी पंकज शर्मा ने भूत कार्यकताओं को विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुट जाने का आह्वान किया। मंडल प्रभारी पंकज शर्मा ने कहा कि पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष बहन मायावती की सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय की नीतियों पर आधारित भूतों का गठन किया गया बैठक में मुख्य मेरठ मंडल प्रभारी सत्यपाल पेपला और मंडल प्रभारी पंकज शर्मा ने कार्यकताओं में नया जोश फूंका। बैठक में विधानसभा प्रभारी डॉ. भोपाल सिंह, जिला सचिव एडवोकेट राज बहादुर, विधानसभा अध्यक्ष गुलाब सिंह, पूर्व विधानसभा प्रभारी एडवोकेट प्रदीप, सोनू आनंद, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष बलवीर, तारा चद, राम अवतार जाटव जी सहित क्षेत्र के कार्यकताओं ने मिशन को आगे बढ़ाने का संकल्प दिलाया गया। पार्टी के प्रति निष्ठा और जमीनी पकड़ को देखते हुए दीपक कुमार जी को जोन प्रभारी की अहम जिम्मेदारी सौंपी गई है।

## आर्डर के मुताबिक नहीं भेजी घड़ी कंपनी लौटाएगी ब्याज समेत पूरा पैसा

**नोएडा (करंट क्राइम)।** आर्डर के अनुसार घड़ी नहीं भेजी गई। नकली घड़ी भेज दी गई। शिकायत करने के बाद भी कंपनी ने बदलकर दूसरी नहीं दी और न ही पैसा लौटाया। शिकायत करने के बाद जिला उपभोक्ता आयोग ने कंपनी को 6 फीसदी ब्याज समेत पूरा पैसा 30 दिन में लौटाने की आदेश दिया है।

नोएडा के सेक्टर 74 निवासी मनुज ठाकुर ने 8 जून को मंत्रा डिजाइन प्राइवेट लिमिटेड से 18020 रुपये में एक सीको नीले रंग की घड़ी खरीदी थी। खरीदी गई घड़ी में नीले रंग का डायल और चांदी का पट्टा है। 11 जून को डिलीवरी हुई। जिसमें नीले रंग के डायल वाली घड़ी होने की पुष्टि हुई लेकिन डिलीवरी के समय मंत्रा द्वारा बाक्स को खोला गया उसमें आर्डर के मुताबिक घड़ी नहीं थी।

## आखिर कब तक होगी खास सर्किल के लिए खोज

पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में एसीपी स्तर के अधिकारियों का संकट और खोज वाला मामला पूरा होने का नाम नहीं ले रहा है। पुलिस के सूत्र बता रहे हैं कि जिस तरीके से दो एसीपी को दो सर्किल दिए गए हैं, तो पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद के जिस सबसे महत्वपूर्ण और खास कहें जाने वाले सर्किल में किसको सेट किया जाएगा यह अभी स्पष्ट नहीं हो पा रहा है। हालांकि यह वाली लिस्ट अभी बाहर सार्वजनिक नहीं की गई है, पर बेहद गोपनीय सूत्र बता रहे हैं कि दो एसीपी सेट किए गए हैं। उनको देहात वाले सर्किल दिए गए हैं। एक बाहर से आए हैं तो एक यातायात से शिफ्ट किए गए हैं। इन सबके बीच जानकारी यह है की सबसे खास सर्किल वाली खोज अभी कितने दिन चलेगी, कहां नहीं जा सकता है। वैसे पुलिस के सूत्रों ने जानकारी दी है कि सिटी वाले एक एसीपी साहब ऑपरेशन करवाने के लिए छुट्टी पर चले गए हैं। तो उनकी जगह अब सिटी वाले दूसरे एसीपी साहब निगरानी और नजर रखने का काम करेंगे। उधर बताया जा रहा है कि

जिन मैडम को पास वाले जिले से आना था, वह नहीं आई हैं जबकि दूर से आने वाले साहब आ गए हैं और उनको कमान भी सौंप दी गई है। इन सबके बीच बड़ा सवाल यह उठ रहा है की आने वाले दिनों में नादिया पार के सबसे खास सर्किल में किसको पोस्टिंग मिलेगी, तो वहीं क्या सिटी से नादिया पार के लिए कोई कनेक्शन बनेगा या शासन स्तर से आने वाली एसीपी लिस्ट के बाद ही पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम का एसीपी स्तर वाला संकट और ट्विस्ट खत्म होगा। कुल मिलाकर पुलिस वाले सूत्र बता रहे हैं की जून वाले महीने में अभी दो लिस्ट आने की प्रबल संभावना है। अब देखना होगा की इन लिस्ट आने के बाद पुलिस कमिशनरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में कितना साथ और सामाधान मिलता है। उधर पुलिस सूत्रों ने जानकारी दी है की लोकल स्तर पर दो एसीपी को सेट कर दिया गया है। वहीं आने वाले दिनों में कुछ और फेस रेप्लेस किए जा सकते हैं, ऐसी जानकारी सूत्रों द्वारा दी जा रही है। अब देखना होगा अगला आदेश कब आता है और किसका पलड़ा भारी रहता है। वैसे अभी पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद में चार एसीपी शॉर्ट चल रहे हैं।

## रालोद हमेशा किसानों, युवाओं और विकास के लिए संघर्षरत : तेजपाल चौधरी

**गाजियाबाद, करंट क्राइम।** राष्ट्रीय लोक दल (रालोद) के राष्ट्रीय सचिव व पूर्व जिला अध्यक्ष तेजपाल चौधरी ने पार्टी के संकल्पों को दोहराते हुए कहा कि रालोद हमेशा किसान, युवा और विकास की मजबूत आवाज रही है। पार्टी शुरू से ही किसानों, मजदूरों और युवाओं के हितों के लिए संघर्ष करती आ रही है।

**गांव और किसान का विकास:** रालोद का मुख्य उद्देश्य गांवों का चहुंमुखी विकास करना, किसानों को उनकी फसलों का उचित मूल्य दिलाना और युवाओं के लिए रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराना है।

**भाईचारे और लोकतांत्रिक मूल्यों में विश्वास:** हमारी पार्टी सामाजिक न्याय, आपसी भाईचारे और लोकतांत्रिक मूल्यों में दृढ़ विश्वास रखती है। पार्टी के सभी नेता जनता की समस्याओं को प्राथमिकता देते हुए उनके समाधान के लिए निरंतर जमीनी स्तर पर कार्य कर रहे हैं।

**समृद्धि का संकल्प:** रालोद का यह संकल्प है कि प्रदेश और देश को विकास, समृद्धि और समान अवसरों की एक नई दिशा प्रदान की जाए। उन्होंने अंत में कहा कि आम जनता का अटूट विश्वास ही राष्ट्रीय लोक दल की सबसे बड़ी ताकत है और इसी के बल पर पार्टी जनहित के मुद्दों को उठाती रहेगी।

## मंडोला कट पर दर्दनाक हादसा, तेज रफ्तार डंपर ने मोपेड सवार पिता-बेटी को कुचला, दोनों की मौत

**गाजियाबाद, करंट क्राइम :** ट्रोनिका सिटी थानाक्षेत्र के मंडोला कट पर बुधवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में मोपेड सवार पिता और बेटी की मौके पर ही मौत हो गई। तेज रफ्तार डंपर ने पीछे से टक्कर मारकर दोनों को कुचल दिया। हादसे के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई और परिजनों में कोहराम मच गया।

पुलिस के अनुसार रामपार्क निवासी ओमप्रकाश (60) अपनी 20 वर्षीय बेटी शिवानी के साथ टीवीएस मोपेड से कहीं जा रहे थे। सुबह करीब 11:15 बजे जब वे मंडोला कट के पास पहुंचे, तभी पीछे से आ रहे तेज रफ्तार डंपर ने उनकी मोपेड में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही दोनों सड़क पर गिर पड़े और डंपर की चपेट में आ गए। घटना की सूचना मिलते ही ट्रॉनिका सिटी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को तत्काल अस्पताल भिजवाया, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। डॉक्टरों ने जांच के बाद पिता-पुत्री दोनों को मृत घोषित कर दिया। पिता और बेटी की एक साथ मौत की खबर मिलते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मोहल्ले में भी शोक की लहर दौड़ गई। स्थानीय लोगों ने बताया कि ओमप्रकाश अपने परिवार के साथ रामपार्क क्षेत्र में रहते थे और शिवानी परिवार की होनहार बेटी थी। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई।

पुलिस ने दुर्घटना में शामिल डंपर को कब्जे में ले लिया है, जबकि चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश में जुटी है। ट्रॉनिका सिटी थाना प्रभारी प्रभु दयाल ने बताया कि डंपर को कब्जे में लेकर चालक की तलाश की जा रही है। दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

## हार्न बजाने पर भड़के कार सवार, जीटी रोड पर की फायरिंग, तीन गिरफ्तार, भारी मात्रा में हथियार बरामद

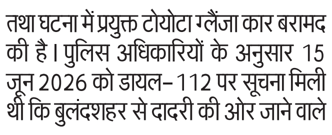

**नोएडा (करंट क्राइम)।** ग्रेटर नोएडा में सड़क पर मामूली कहासुनी और बार-बार हार्न बजाने की घटना ने खतरनाक मोड़ ले लिया। जीटी रोड पर एक वाहन चालक द्वारा लगातार हार्न बजाए जाने से नाराज कार सवार युवकों ने बीच सड़क पर फायरिंग कर दहशत फैला दी। मामले का त्वरित संज्ञान लेते हुए थाना बादलपुर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने उनके कब्जे से दो पिस्टल, चार तमंचे, बड़ी संख्या में कारतूस तथा घटना में प्रयुक्त टोयोटा ग्लैंजा कार बरामद की है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार 15 जून 2026 को डायल-112 पर सूचना मिली थी कि बुलंदशहर से दादरी की ओर जाने वाले जीटी रोड पर एक कार सवार कुछ लोगों ने फायरिंग की है। घटना की गंभीरता को देखते हुए थाना बादलपुर पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की और आरोपियों की तलाश के लिए विशेष टीमों का गठन किया। एडीसीपी सेंट्रल नोएडा संतोष कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस ने मैनुअल इंटेलिजेंस और गोपनीय सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए अम्बुजा सीमेंट फैक्ट्री के पास कच्चे रास्ते से तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया।

**गाजियाबाद (करंट क्राइम)।** रविन्दर त्यागी का अपना एक अंदाज है और वो परिवार से लेकर सरकार तक हर विषय को लेकर एक्टिव दिखाई देते हैं। ये एक नन्ही परी है और ये एक जज्बात है जो उन्होंने फेसबुक पर अपने समर्थकों के साथ साझा किये हैं।इस पोस्ट को सभी का प्यार मिला, स्नेह मिला और ये पोस्ट बनी करंट क्राइम पोस्ट ऑफ द डे।

# रौशन आनंद और फैजल खान सर के बीच क्यों मची गदर

## शिक्षा के बाजार से मौत की खबर तक क्यों आई बात

**पटना।** पटना को प्रतियोगिता परीक्षाओं की तैयारी के लिए उसी तरह माना जाता है, जैसे इंजीनियरिंग की तैयारी के लिए कोटा। पटना में 2300 से अधिक छोटे-बड़े कोचिंग संस्थान हैं और इनका 12 हजार करोड़ का कारोबार बताया जाता है। लेकिन, आंकड़ों की बाजीगरी और पढ़ाई के स्तर से दूर, इन दिनों कोचिंग संस्थानों के बीच वर्चस्व की लड़ाई, पुलिस-कोर्ट का चक्कर, मारपीट से मौत तक की खबरें ही निकल कर सामने आ रही हैं। ऐसे में इन घटनाओं को परत-दर-परत समझने और किरदारों की भूमिका को आंकने के लिए 'अमर उजाला' हर पहलू को सामने रख रहा है।

### यूपी से बिहार आकर मौके पर चौका के मास्टर बने फैजल खान सर

उत्तर प्रदेश के देवरिया वाले फैजल खान को नहीं जान सके होंगे, लेकिन बिहार की राजधानी पटना से लेकर देश-दुनिया ने इन्हें 'खान सर' के नाम से जाना। साइंस में बैचलर और मास्टर के साथ फैजल खान की ज्योग्राफी में भी मास्टरी है। फैजल खान मौके का सही फायदा उठाने में माहिर हैं। सनातन की संवेदना के लिए राखियों से भरा हाथ वायरल कराना हो या राष्ट्रभक्ति के नाम पर पाकिस्तान को गालीबाजी- दोनों में मौके पर चौका जड़ा और खूब चर्चित हुए।

जब पूरी दुनिया लॉकडाउन से परेशान थी और डिजिटल-वर्चुअल का शोर शुरू हो रहा था तो फैजल खान ने 2019 के अंत में यूट्यूब और फिर 2021 में अपने एप के जरिए छात्रों को साधा। निकाह को भी बड़ा सोशल सेंसेशन बनाया और पत्नी के चेहरे के साथ नाम को भी नकाब में रखा। लोग पत्नी का नाम ए. एस. खान ही जानते हैं। 20 से 40 करोड़ की संपत्ति बताई जाती है, हालांकि इसकी पुष्टि के लिए कागजात कहीं उपलब्ध नहीं हैं।

### खुद फेल, मगर 'दरोगा फैक्ट्री' के मालिक रौशन आनंद सर

कहा जाता है कि खुद सफल रहे लोगों को ही लोग सफलता का गुरु मानते हैं, लेकिन शिक्षा के क्षेत्र में कई अपवाद भी सामने आते रहे हैं। उन्हीं में से एक नाम है रौशन आनंद। बिहार के सहरसा से 15 साल का लड़का प्रतियोगिता परीक्षाओं की तैयारी के लिए पटना से कोटा तक का सफर कर आया, मगर सफल नहीं रहा। 2014 तक प्रयास किया। बीपीएससी प्रिलिम्स और दरोगा लिखित परीक्षा तक में पास होने के बावजूद सरकारी नौकरी नसीब में नहीं आई तो 2017 में पटना में पढ़ाना शुरू किया। आज उनका कोचिंग संस्थान शिक्षा के इस बाजार में खान ग्लोबल एकेडमी को टक्कर देता नाम है। सफल छात्रों के कारण इनके संस्थान को 'दरोगा फैक्ट्री' भी कहा जाता है। बिहार की सबसे बड़ी जाति से आते हैं, मतलब यादव हैं। जो फैजल खान के पास नहीं जाते या नहीं जाना चाहते, उनके लिए रौशन आनंद सबसे ज्यादा चर्चित ठिकाना हैं। फैजल खान की तरह रौशन आनंद पर भी सफल परीक्षार्थियों को खरीदने का आरोप लगता रहा है।

# क्या है ऑपरेशन टाइगर, जिसके चलते उद्धव शिवसेना के सांसद टूटने का खतरा

**नई दिल्ली।** देश की राजनीति में इस वक्त बगावतों का दौर चल रहा है। पहले आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा कैंप में बगावत, फिर तमिलनाडु के चुनाव नतीजे आने के बाद अन्नाद्रमुक (एआईएडीएमके) के सांसदों का बागी रवैया, इसके बाद पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के सांसदों और विधायकों का टूटना और अब महाराष्ट्र में शिवसेना (उद्धव-बालासाहेब) ठाकरे में एक और टूट की आहट। यानी एक के बाद एक चार दलों में बागी नेताओं ने सियासी हलचल बढ़ा दी हैं।

महाराष्ट्र में यह सियासी हलचल कई मायनों में अहम है। दरअसल, 2022 में ही उद्धव के नेतृत्व वाली शिवसेना के कई विधायक और सांसद टूट चुके हैं। इसके चलते उद्धव ठाकरे को अपनी पार्टी शिवसेना का नाम और चुनाव चिह्न दोनों खोने पड़े थे। अब एक बार फिर पार्टी के कुछ सांसदों के टूटने की आशंका जताई जा रही है। इसे लेकर महाराष्ट्र से दिल्ली तक राजनीतिक माहौल गमार्या हुआ है। शिवसेना-यूबीटी ने सीधे तौर पर इसे भाजपा की साजिश करार दिया है। महाराष्ट्र के सियासी गलियारों में इस पूरे घटनाक्रम को ऑपरेशन टाइगर का भी नाम दिया है।

**महाराष्ट्र में जिस ऑपरेशन टाइगर की चचार्एं तेज हैं, वह क्या है:** ऑपरेशन टाइगर महाराष्ट्र की राजनीति में इस्तेमाल किया जा रहा एक शब्द है, जो एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना की तरफ से उद्धव ठाकरे गुट वाली शिवसेना के नेताओं और सांसदों को अपने पाले में लाने की एक कथित कोशिश का पर्याय माना जाता है। चचाओं और दावों के मुताबिक, शिवसेना-यूबीटी के नौ लोकसभा सांसदों में से छह से सात सांसद शिंदे गुट के संपर्क में हैं और वे संसद के मानसून सत्र से पहले पाला बदल सकते हैं। इसके अलावा, 16 विधायकों के भी शिंदे गुट के संपर्क में होने का दावा किया गया है। इस पूरे घटनाक्रम को ऑपरेशन टाइगर इसलिए कहा जाता है क्योंकि बाघ अविभाजित शिवसेना का पारंपरिक प्रतीक रहा है, जिसे पार्टी के संस्थापक बालासाहेब ठाकरे ने खुद बनाया था। राजनीतिक जानकारों के मुताबिक, चूंकि एकनाथ शिंदे गुट की ओर से उद्धव ठाकरे गुट के सांसदों को तोड़कर अपने पाले में लाने की इस कथित कोशिश का मकसद बालासाहेब ठाकरे की राजनीतिक विरासत (जिसका प्रतीक बाघ है) पर पूरी तरह से नियंत्रण करना और उद्धव गुट की ताकत को खत्म करना है, इसलिए महाराष्ट्र के राजनीतिक हलकों में दल-बदल के इस अभियान को ऑपरेशन टाइगर का नाम दिया गया।

# क्या है कफ सिरप को लेकर आया नया नियम

## नई गाइडलाइन की जरूरत क्यों पड़ी

**नई दिल्ली।** अगर आप खांसी की दवा लेने के लिए सीधे दुकान पर चले जाते हैं, तो अब ऐसा करना आसान नहीं होगा। केंद्र सरकार ने कफ सिरप की बिक्री को लेकर नियम सख्त कर दिए हैं। नए नियमों के तहत अब 1,000 से कम आबादी वाले गांवों में भी कफ सिरप केवल लाइसेंस प्राप्त फामेर्सी से ही बेची जा सकेगी। सरकार का कहना है कि यह कदम सार्वजनिक स्वास्थ्य सुरक्षा और दवाओं की गुणवत्ता पर निगरानी मजबूत करने के लिए उठाया गया है।

**सरकार की नई गाइडलाइन क्या कहती है?**

सरकार ने कफ सिरप को सख्त रेगुलेटरी निगरानी में लाने के लिए कुछ नियमों में बदलाव किया है। इसका मकसद कफ सिरप समेत सिरप-बेस्ड दवाओं को सख्त रेगुलेटरी निगरानी में लाना है। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि पहले 1,000 से कम आबादी वाले गांवों में कुछ नियमों में छूट के साथ कफ सिरप बेचने की इजाजत थी। अब

यह छूट अब नहीं मिलेगी।

छोटे गांवों में कफ सिरप की बिक्री और वितरण अब केवल ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट, 1940 और उसके तहत बने नियमों के अनुसार लाइसेंस प्राप्त फार्मेसियों के माध्यम से ही किया जा सकेगा।

यह बदलाव आधिकारिक गजट में प्रकाशित 'ड्रग्स (पांचवां संशोधन) नियम, 2026' के माध्यम से अधिसूचित किया गया है।

गौरतलब है कि यह कदम सरकार द्वारा पिछले साल दिसंबर में जारी उस ड्राफ्ट नोटिफिकेशन के बाद उठाया गया है, जिसमें स्टेकहोल्डर्स से आपत्तियां और सुझाव मांगे गए थे।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा, इस कदम से कफ सिरप के जिम्मेदार वितरण और बिक्री को बढ़ावा मिलने और देश भर में रेगुलेटरी मानकों का बेहतर पालन सुनिश्चित होने की उम्मीद है। ''मैं केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के इस फैसले का स्वागत करता हूं, जिसमें कफ सिरप को 'शेड्यूल-के' से हटा लिया गया है। इन दवाओं के लिए अब डॉक्टर का प्रिस्क्रिप्शन जरूरी होगा। इससे लोग बिना डॉक्टरी सलाह के दवा लेने से बचेंगे और दवाओं का सही व सुरक्षित इस्तेमाल बढ़ेगा। यह फैसला इसलिए भी बेहद महत्वपूर्ण है क्योंकि मध्य प्रदेश और राजस्थान से ऐसी खबरें सामने आई थीं, जिसमें दूषित कफ सिरप पीने के बाद कई बच्चों की किडनी फेल होने से मौत हो गई थी।

### साइबर अपराधी पर सुप्रीम कोर्ट सख्त: उखक्ने आरोपियों को बताया परजीवी

**नई दिल्ली।** सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा कि साइबर अपराधी परजीवी हैं। वह भोले-भाले निवेशकों से पैसे लेकर उन्हें धोखा देते हैं। इसके साथ ही हमें उनके साथ बहुत सख्ती से पेश आना होगा।

ये टिप्पणियां मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति वी मोहना की पीठ की ओर से आईं, जो एक व्यक्ति की ओर से अलग- अलग रज्यों में उसके खिलाफ दर्ज कुछ एफआईआर को एक साथ जोड़ने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई कर रही थी। मुख्य न्यायाधीश ने टिप्पणी की, 'आप लोग (साइबर अपराधी) परजीवी हैं और भोले-भाले निवेशकों से पैसा लेकर उन्हें धोखा देते हैं। साइबर अपराधियों के प्रति हमें बहुत सख्त रुख अपनाना होगा।'

सलाखों के पीछे रखना समाज के हित

मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि ऐसे अपराधों के शिकार हमेशा पूरे भारतीय होते हैं। मुख्य न्यायाधीश ने कहा, 'आप तमिलनाडु में किसी को धोखा देते हैं, फिर जम्मू-कश्मीर जाते हैं और फिर उत्तर-पूर्व में जाते हैं।' उन्होंने आगे कहा कि साइबर अपराधियों को सलाखों के पीछे रखना समाज के हित में होगा। सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता के खिलाफ विभिन्न राज्यों में दर्ज कुछ एफआईआर को एक साथ जोड़ने की याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया।

# कोलकाता पुलिस के सामने महिला माओवादी नेता ने किया आत्मसमर्पण, 10 लाख रुपये का इनाम था घोषित

**कोलकाता।** 10 लाख रुपये की इनामी महिला माओवादी नेता शकुंतला महतो ने कोलकाता पुलिस के सामने हथियार और 46 कारतूस के साथ आत्मसमर्पण किया। सीपीआई (माओवादी) की जोनल कमेटी सदस्य रही महतो ने आंदोलन से निराशा जताई और अन्य माओवादियों से भी हिंसा छोड़कर मुख्यधारा में लौटने की अपील की।

कोलकाता में 10 लाख रुपये के इनामी महिला माओवादी नेता शकुंतला महतो ने पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। बुधवार को कोलकाता पुलिस के मुख्यालय लालबाजार में उसने हथियार और 46 जिंदा कारतूस के साथ आत्मसमर्पण किया। पुलिस आयुक्त अजय कुमार नंद ने बताया कि शकुंतला महतो उर्फ ह्यपुष्पाह्न, ह्यपरीह्न और ह्यबर्षाह्न सीपीआई (माओवाद) की जोनल कमेटी की सदस्य थी और कई वर्षों से सक्रिय थी। पुलिस के मुताबिक, यह आत्मसमर्पण माओवादी गतिविधियों के कमजोर पड़ने का संकेत है। शकुंतला महतो झारखंड, ओडिशा और पश्चिम बंगाल के कई इलाकों में सक्रिय रही थी और कई ऑपरेशन की योजना बनाने में शामिल थी।

**शकुंतला महतो ने क्यों किया आत्मसमर्पण :** आत्मसमर्पण के बाद शकुंतला महतो ने कहा कि अब उसे इस आंदोलन पर भरोसा नहीं है। उसने कहा कि वह अपने परिवार के साथ सामान्य जीवन जीना चाहती है और सरकार से घर व पुनर्वास की उम्मीद रखती है।

**अन्य माओवादियों से अपील**

इस दौरान शकुंतला महतो ने बाकी माओवादी साथियों से भी मुख्यधारा में लौटने की अपील की। उसने कहा कि हथियार छोड़कर विकास के रास्ते पर चलना सभी के लिए बेहतर है। पश्चिम बंगाल के झारग्राम जिले की रहने वाली शकुंतला महतो ने 2001 में माओवादी संगठन में शामिल हुई थी। शुरूआत में वह सांस्कृतिक गतिविधियों से जुड़ी थी, लेकिन बाद में हथियारबंद भूमिका निभाने लगी।

**बंगाल में माओवादियों से जुड़े हाल के घटनाक्रम:** पुलिस के अनुसार, हाल के समय में कई माओवादी या तो गिरफ्तार हुए हैं या आत्मसमर्पण कर चुके हैं। इससे संगठन की ताकत लगातार घट रही है। पुलिस ने बताया कि शकुंतला महतो के पुनर्वास और कानूनी प्रक्रिया सरकार की नीति के अनुसार पूरी की जाएगी।

# 'हम रातभर पढ़ते हैं और आप स्थगन मांग लेते हैं'

## चैतन्य बघेल मामले में CJI ने ईडी पर जताई नराजगी

**नई दिल्ली।** कथित शराब घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूर्व छत्तीसगढ़ मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल को मिली जमानत को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) पर नाराजगी जताई। ईडी ने अदालत से सुनवाई टालने की मांग की, जिस पर प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत की अगुवाई वाली पीठ ने तीखी टिप्पणी की। अदालत ने कहा कि पहले मामले को सूचीबद्ध कराने की जल्दबाजी रहती है और बाद में स्थगन की मांग की जाती है, जबकि न्यायाधीश ऐसे मामलों की फाइलें रातभर पढ़ते हैं।

**सुप्रीम कोर्ट ने ईडी से नाराजगी क्यों जताई?**

प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति वी. मोहन की पीठ चैतन्य बघेल को मिली जमानत के खिलाफ ईडी की विशेष अनुमति याचिका (एसएलपी) पर सुनवाई कर रही थी। सुनवाई के दौरान ईडी ने अपने पक्ष को रखने के लिए और समय मांगा।

इस पर अदालत ने असंतोष व्यक्त करते हुए कहा कि पहले कहते हैं सूचीबद्ध कीजिए और फिर सूचीबद्ध हो जाती है तो स्थगन मांग लेते हैं। हम इन मामलों की फाइलें रातभर पढ़ते हैं। इसके बाद अदालत ने मामले की सुनवाई आगे के लिए टाल दी। सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी अदालतों में बार-बार स्थगन मांगने की प्रवृत्ति पर सख्त संदेश के रूप में देखी जा रही है।

**चैतन्य बघेल को जमानत क्यों मिली थी?**

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने इसी वर्ष जनवरी में चैतन्य बघेल को जमानत दी थी। न्यायमूर्ति अरविंद कुमार वर्मा की एकल पीठ ने अपने आदेश में कहा था कि चैतन्य बघेल न तो आबकारी विभाग में किसी आधिकारिक पद पर थे और न ही राज्य की शराब कंपनियों में उनकी कोई वैधानिक भूमिका थी।

अदालत ने यह भी कहा था कि उनके खिलाफ लगाए गए आरोप मुख्य रूप से पीएमएलए की धारा 50 के तहत दर्ज बयानों और अन्य आरोपियों से कथित संबंधों पर आधारित हैं। हाईकोर्ट के अनुसार उनके खिलाफ किसी प्रत्यक्ष और स्पष्ट कार्रवाई का आरोप सामने नहीं आया था।

**हाईकोर्ट ने अपने आदेश में क्या अहम टिप्पणी की थी?**

जमानत देते समय हाईकोर्ट ने माना था कि मामले के आरोप गंभीर हैं, लेकिन केवल आरोपों के आधार पर किसी व्यक्ति को लंबे समय तक जेल में रखना उचित नहीं होगा। अदालत ने कहा था कि चैतन्य बघेल की कथित भूमिका अनुमान और परोक्ष निष्कर्षों पर आधारित दिखाई देती है। साथ ही यह भी कहा गया कि मामले में बड़ी संख्या में आरोपी, गवाह और दस्तावेज शामिल हैं, इसलिए मुकदमे के निकट भविष्य में पूरा होने की संभावना कम है।

# संयुक्त राष्ट्र में उठी ग्लोबल साउथ को प्रतिनिधित्व देने की मांग, चीन ने की वकालत

**बीजिंग।** चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने संयुक्त राष्ट्र में वैश्विक दक्षिण का समर्थन करते हुए पर्याप्त प्रतिनिधित्व देने की मांग की है। चीन ने आंतरराष्ट्रीय शासन व्यवस्था को न्यायसंगत बनाने की मांग करते हुए एक श्वेत पत्र जारी किया।

चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने कहा है कि उभरती अर्थव्यवस्थाओं और विकासशील देशों को संयुक्त राष्ट्र में पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं मिल रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि दुनिया भर में बढ़ते राजनीतिक और आर्थिक विवादों के कारण संयुक्त राष्ट्र की भूमिका और प्रभावशीलता पर लगातार सवाल उठ रहे हैं। सिन्हुआ न्यूज एजेंसी के अनुसार, बुधवार को बीजिंग में 'वैश्विक शासन व्यवस्था को अधिक न्यायसंगत और समान बनाने' से जुड़े एक श्वेत पत्र (व्हाइट पेपर) को जारी करते हुए एक प्रेस वार्ता में वांग यी ने यह टिप्पणी की।

चीन के विदेश मंत्री ने क्या कहा

उन्होंने कहा कि चाहे कोई देश बड़ा हो या छोटा, शक्तिशाली हो या कमजोर, विकसित हो या विकासशील सभी अंतरराष्ट्रीय समुदाय के समान सदस्य हैं। वांग ने वैश्विक दक्षिण (ग्लोबल साउथ) के देशों की आवाज को अधिक महत्व देने की आवश्यकता पर जोर दिया। चीन के विदेश मंत्री ने कहा कि दुनिया लगातार नई चुनौतियों का सामना कर रही है, जिससे कई वैश्विक संकट एक-दूसरे से जुड़ते जा रहे हैं। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा, 'सभ्यता का जहाज अब खतरनाक जलक्षेत्र में प्रवेश कर चुका है, जहां छिपी हुई चट्टानें और भीषण तूफान मौजूद हैं।'

मध्य पूर्व की स्थिति पर वांग यी ने सभी पक्षों से तत्काल युद्धविराम की दिशा में काम करने की अपील की। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में स्थायी शांति और स्थिरता के लिए एक टिकाऊ सुरक्षा ढांचा विकसित करना जरूरी है। उन्होंने जोर देकर कहा कि सभी संबंधित पक्षों को मिलकर ऐसे प्रयास करने चाहिए, जो मध्य पूर्व में दीर्घकालिक सुरक्षा और स्थिरता की नींव रख सकें।

### स्पेन के पूर्व प्रधानमंत्री जपाटेरो की अदालत में पेशी

**स्पेन।** स्पेन के पूर्व प्रधानमंत्री जोस लुइस रोड्रिगेज जपाटेरो बुधवार को एक न्यायाधीश के सामने पेश हुए। यह मामला सरकारी एयरलाइन बेलआउट और उनके कार्यालय से बरामद गहनों से जुड़ा है। पिछले महीने उन पर प्रभाव का दुरुपयोग, मनी लॉन्ड्रिंग और अन्य वित्तीय गड़बड़ी के आरोप लगे थे। यह उनकी राष्ट्रीय अदालत में पहली पेशी है। मामला स्पेन सरकार द्वारा प्लस अल्ट्रा एयरलाइन को दिए गए बचाव पैकेज से संबंधित है। जपाटेरो, 65 वर्ष, 2004 से 2011 तक प्रधानमंत्री रहे थे। 2021 में प्लस अल्ट्रा को कोविड-19 रिकवरी फंड से 53 करोड़ यूरो (61.5 मिलियन डॉलर) मिले थे। न्यायाधीश जोस लुइस कलामा कर धोखाधड़ी और मई में जपाटेरो के कार्यालय से बरामद 1.3 करोड़ यूरो के गहनों की जांच भी कर रहे हैं। जपाटेरो ने एयरलाइन मामले में किसी भी गलत काम से इन्कार किया है।

# क्या बदलेगा यूरोप का शक्ति संतुलन? रूस के खतरे के बीच जर्मनी-पोलैंड की नई रक्षा साझेदारी

**नई दिल्ली।** यूरोप में बदलते शक्ति संतुलन और रूस से बढ़ते सुरक्षा खतरों के बीच जर्मनी और पोलैंड एक नए रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर करने जा रहे हैं। यह समझौता ऐसे समय में हो रहा है जब अमेरिका की यूरोप में सैन्य मौजूदगी को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है और यूरोपीय देशों पर अपनी सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने का दबाव बढ़ रहा है। कभी इतिहास और युद्ध की कड़वी यादों से प्रभावित रहे जर्मनी और पोलैंड अब महाद्वीप की सुरक्षा को लेकर एक-दूसरे के और करीब आते दिखाई दे रहे हैं।

यूरोप की सुरक्षा के लिए यह समझौता कितना महत्वपूर्ण है?

जर्मनी और पोलैंड के बीच होने वाला यह रक्षा समझौता बाल्टिक सागर क्षेत्र की सुरक्षा, सैन्य आवाजाही, रक्षा ढांचे, साइबर सुरक्षा और नई सैन्य तकनीकों में सहयोग को मजबूत करेगा। रूस के 2022 में यूक्रेन पर बड़े हमले के बाद यूरोप की सुरक्षा चिंताएं बढ़ गई थीं। इसी के बाद दोनों देशों के संबंध अधिक व्यावहारिक हुए। पोलैंड चाहता है कि यूरोप के बड़े देश महाद्वीप के पूर्वी हिस्से की सुरक्षा में बड़ी भूमिका निभाएं। वहीं जर्मनी भी अपनी सेना बुंडेसवेहर को मजबूत बनाने में जुटा है। जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने दिसंबर में पोलैंड के प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क से मुलाकात के बाद कहा था कि हम जर्मनों को बराबरी के साझेदार के रूप में एक मजबूत पोलैंड की जरूरत है। यह हमारे बुनियादी हित में है।

### बाल्टिक क्षेत्र की सुरक्षा में जर्मनी और पोलैंड की क्या भूमिका होगी?

वारसॉ स्थित सेंटर फॉर ईस्टर्न स्टडीज की उपनिदेशक जस्टीना गोटकोव्स्का के अनुसार नाटो की रक्षा योजनाओं में जर्मनी की भूमिका बेहद अहम है। उन्होंने कहा कि जर्मनी काफी हद तक बाल्टिक देशों की रक्षा के लिए जिम्मेदार है और पोलैंड के सहयोग के बिना यह संभव नहीं होगा। नाटो के रणनीतिकार लंबे समय से मानते रहे हैं कि भविष्य में यदि रूस किसी नाटो सदस्य पर हमला करता है तो बाल्टिक देश सबसे संवेदनशील क्षेत्र हो सकते हैं। ऐसे में जर्मनी, पोलैंड और मध्य तथा पूर्वी यूरोप के अन्य देशों के बीच तालमेल बढ़ाना नाटो की प्राथमिकताओं में शामिल हो गया है। यूक्रेन के लिए सैन्य और मानवीय सहायता पहुंचाने में भी पोलैंड एक प्रमुख लॉजिस्टिक केंद्र बन चुका है।

क्या इतिहास की कड़वी यादें अब भी दोनों देशों के रिश्तों को प्रभावित कर रही हैं?

हालांकि रक्षा सहयोग बढ़ रहा है, लेकिन दोनों देशों के बीच इतिहास से जुड़े विवाद पूरी तरह खत्म नहीं हुए हैं। पोलैंड में पूर्व की राष्ट्रवादी सरकार ने द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान जर्मन कब्जे के लिए 1.3 ट्रिलियन डॉलर के मुआवजे की मांग की थी, जिसे बर्लिन ने खारिज कर दिया था। पोलैंड के विदेश मंत्री राडोस्लाव सिकोर्स्की ने जून में पोलिश रेडियो ट्रोज्का से कहा था कि यदि जर्मनी के साथ फ्रांस और ब्रिटेन जैसी व्यापक राजनीतिक रक्षा संधि की कोशिश की जाती तो यहां बड़ा राजनीतिक विवाद खड़ा हो जाता।

उन्होंने यह भी संकेत दिया कि राष्ट्रपति कारोल नवरोत्स्की ऐसी संधि का समर्थन नहीं करेंगे। वहीं डोनाल्ड टस्क भी चाहते हैं कि जर्मनी युद्ध पीड़ितों को मुआवजा देने की प्रक्रिया तेज करे। ऐसे में रक्षा सहयोग बढ़ने के बावजूद राजनीतिक और ऐतिहासिक मुद्दे अब भी संवेदनशील बने हुए हैं।

### क्या पोलैंड को यूरोप में उसकी नई ताकत के मुताबिक सम्मान मिल रहा है?

यूरोप की सुरक्षा व्यवस्था में पोलैंड की भूमिका लगातार बढ़ी है, लेकिन वारसॉ का मानना है कि उसे अभी भी पश्चिमी यूरोपीय देशों के बराबर महत्व नहीं मिलता। हाल ही में लंदन में जर्मनी, फ्रांस और ब्रिटेन ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की के साथ बैठक की, जिसमें पोलैंड शामिल नहीं था। इसके बाद प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क ने कहा कि हमारी भागीदारी के बिना किए गए किसी भी इंतजाम को हम स्वीकार नहीं करेंगे और न ही उसे अपने लिए बाध्यकारी मानेंगे। जर्मनी के पूर्व राजदूत और जर्मन काउंसिल ऑन फॉरेन रिलेशंस के उपाध्यक्ष रोल्फ निकेल ने कहा कि आज पोलैंड की भूमिका और महत्व यूरोप तथा नाटो में बढ़ गया है। इसलिए पोलैंड को अधिक गंभीरता से लिया जाना चाहिए और पहले की तुलना में अधिक सम्मान दिया जाना चाहिए। जस्टीना गोटकोव्स्का ने भी कहा कि पिछले कुछ वर्षों में यूरोप में शक्ति संतुलन बदल गया है। जर्मनी की अर्थव्यवस्था ठहरी हुई है, जबकि पोलैंड की अर्थव्यवस्था और सैन्य क्षमता दोनों मजबूत हुई हैं। यही बदलाव जर्मनी और पोलैंड के नए रक्षा समझौते की सबसे बड़ी पृष्ठभूमि माना जा रहा है।

# पोलैंड में पुतिन के आलोचक रूसी कलाकार की हत्या

**पोलैंड।** पोलैंड के पूर्वी शहर बियाला पोडलस्का में मंगलवार को 44 वर्षीय रूसी कलाकार रॉबर्ट कुजोवकोव की उनके घर के पास गोली मारकर हत्या कर दी गई। यह कलाकार रूसी राष्ट्रपति व्लादीमीर पुतिन की नीतियों का मुखर आलोचक था। अभियोजकों ने बताया कि हत्या के बाद सोमवार को बेलारूसी वाणिज्य दूतावास के पास से 37 और 33 वर्षीय दो बेलारूसी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है। पोलिश मीडिया ने मृतक की पहचान रॉबर्ट कुजोवकोव के रूप में की है, जबकि अभियोजकों ने पोलिश गोपनीयता कानूनों के अनुसार उन्हें केवल रॉबर्ट के. नाम से संबोधित किया है। उन्होंने बताया कि वह सेम्योन क्रेपेट्स्की के छद्म नाम से कलाकृतियां बनाते थे। अभियोजकों के एक बयान के अनुसार, अपनी कला के माध्यम से वे रूसी अधिकारियों की वर्तमान नीतियों की आलोचना करते थे।

उनकी कलाकृतियों में पुतिन, चेचन नेता रामजान कादिरोव और अन्य वरिष्ठ रूसी अधिकारियों के आलोचनात्मक चित्र शामिल थे। एक चित्र में पुतिन को सोवियत तानाशाह जोसेफ स्टालिन की गोद में दिखाया गया था। रविवार को उन्होंने अपने यूट्यूब चैनल पर एक वीडियो पोस्ट किया था जिसमें वे बर्लिन में 12 जून को, रूस की संप्रभुता के राष्ट्रीय अवकाश पर, एक कूड़ेदान में रूसी झंडा डालते हुए दिखाई दे रहे थे। अभियोजकों ने बताया कि कलाकार के घर के पास सुबह लगभग 9:45 बजे एक अज्ञात व्यक्ति ने उन पर दो गोलियां चलाईं, और भागने से पहले नजदीक से तीन और गोलियां दाग दीं। पीड़ित की मौके पर ही सिर, छाती और पीठ पर गोलियों के घावों से मौत हो गई। पोलिश अभियोजकों ने इस हत्या का के पीछे सीधे तौर पर मॉस्को के शामिल होने का संकेत नहीं दिया है। पोलैंड की आंतरिक सुरक्षा एजेंसी ने तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की है।

नई दिल्ली | दैनिक करंट क्राइम
08 | गुरुवार • 18 जून -2026

# गाजियाबाद

## क्लच प्वॉईंट क्लब क्ले टेनिस कोर्ट की ग्रैन्ड ओपनिंग

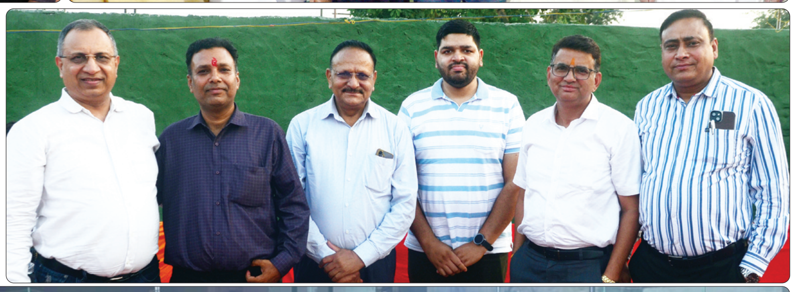

**गाजियाबाद (करंट क्राइम)।** गुलधर 2 में स्थापित क्लच प्वॉईंट क्लब क्ले टेनिस कोर्ट की ग्रैन्ड ओपनिंग हुई। गुलधर 2 में परिवर्तन फार्महाउस के पास बनाये गये क्लच प्वॉईंट क्लब क्ले टेनिस कोर्ट का लाभ खिलाड़ियों को मिलेगा। उद्घाटन के अवसर पर अभय चौधरी, विशाल चौधरी और राजकुमार ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर क्षेत्र के प्रतिष्ठित लोग मौजूद थे। सभी ने इस ओपनिंग पर खुशी व्यक्त कीओर उम्मीद जताई कि ये क्लब खिलाड़ियों के लिए एक बड़ी सुविधा उपलब्ध कराने वाले क्लब के रूप में अपनी पहचान बनायेगा।

## परमहंस क्रिकेट अकादमी का शुभारंभ युवाओं को मिलेगा बेहतर प्रशिक्षण

**गाजियाबाद, करंट क्राइम।** संजय नगर स्थित परमहंस स्कूल परिसर में परमहंस क्रिकेट अकादमी का भव्य उद्घाटन एवं शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि नलिनी मिश्रा ने फीता काटकर अकादमी का उद्घाटन किया। इस अवसर पर पूर्व पार्षद नरेंद्र चौधरी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। वहीं पंडित आदेश शर्मा ने क्रिकेट खेलकर खिलाड़ियों और अकादमी से जुड़े युवाओं का उत्साहवर्धन किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। अकादमी के संचालक एवं रणजी खिलाड़ी रोहित चौधरी, कपिल यादव और राहुल शर्मा ने संयुक्त रूप से बताया कि परमहंस क्रिकेट अकादमी में युवा खिलाड़ियों को आधुनिक तकनीकों और पेशेवर तरीके से प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिससे वे भविष्य में जिले, प्रदेश और देश का नाम रोशन कर सकें।

कार्यक्रम का विशेष आकर्षण वर्ष 2026 के योग इंटरनेशनल गोल्ड मेडलिस्ट आकाश शर्मा रहे, जिन्होंने उद्घाटन समारोह में अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हुए खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया। इस दौरान अनुराग कौशिक, अर्चित चौधरी, धीरज शर्मा, रजत यादव, एडवोकेट प्रांजल गर्ग, अंकित यादव, अभिनव शर्मा, युवराज शर्मा, मोदी, मोहित चौधरी, नितिन चौधरी सहित बड़ी संख्या में खेल प्रेमी, अभिभावक और स्थानीय गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

## मोदी सरकार के 12 वर्ष : भारत ने हर क्षेत्र में की ऐतिहासिक प्रगति : पार्षद कुलदीप त्यागी

**गाजियाबाद, करंट क्राइम।** पार्षद कुलदीप त्यागी ने कहा कि मोदी सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने पर भारत ने हर क्षेत्र में नई प्रगति की है। गरीब कल्याण योजनाओं से करोड़ों लोगों का जीवन सुधरा। जनधन, आयुष्मान, उज्ज्वला और आवास योजना ने हर वर्ग को सशक्त किया। डिजिटल इंडिया ने शासन को पारदर्शी बनाया। मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत से देश उत्पादन में आत्मनिर्भर बना। इंफ्रास्ट्रक्चर, सड़क, रेल और ऊर्जा में ऐतिहासिक काम हुए। विदेश नीति ने भारत को वैश्विक मंच पर मजबूत पहचान दी। सुशासन और भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासन सरकार की पहचान बना।

▸▸ **क्यों कहा कहने वाले ने कि** नीले खेमें में क्या सबकुछ नहीं चल रहा है फाईन? कहने वाले ने कहा कि धीरे धीरे रीमूव हो गया है खेमा ऑफ राईम? कहने वाले ने कहा कि मोरटा वालो से लेकर विजयनगर वालों तक लगी है राईम की मोहर? हिंडनविहार वाले भी कर दिये गये हैं पद से पैदल? कहने वाले ने कहा कि अब ये देखना है किसके हिस्से में आ रहा है अगला निष्कासन वाला मैडल?

▸▸ **क्यों कहा कहने वाले ने कि** महिला पार्षद ने रख दी दिल्ली में गाजियाबाद में चल रही पूरी कहानी प्रदेश वालों के सामने? सुना है यहां आ गयी थी मान सम्मान वाली भी बात? कहने वाले ने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष तक पहुंच गयी है भेदभाव से जुड़ी कोई बात ? कहने वाले ने जहाँ फैला हुआ हो इतना रायता , वहाँ ऐसे हो होते हैं हालात?

▸▸ **क्यों कहा कहने वाले ने कि** निगम वाली कहानी की जारी है अभी रवानी? केवल प्रदेश तक नहीं होनी है ये बात? कहने वाले ने कहा आप लिखकर रख लो? अब राष्ट्रीय नेतृत्व से होगी पार्षदों की अगली मुलाकात? क्या पार्षद हैं किसी बात को लेकर कुछ ज्यादा ही आहत? किस पार्षद ने कह दिया हम कार्यवाही चाहते हैं, हमें नही है बड़े नेताओं के साथ फोटो खिंचवाने की कोई चाहत? कहने वाले ने कहा जैसे जैसे नजदीक आएगी 2027 वैसे वैसे होंगी खुलकर शिकायतें, खत्म हो जाएगी आइस पाइस?

▸▸ **क्यों कहा कहने वाले ने कि** आने वाले दिनों में उठने जा रही है लग्जरी कार की खरीद को लेकर तकरार? किस पार्षद ने कह दिया कि इतना तो सोचा जाना चाहिए कि हमारे बीच का एक पार्षद हैं बहुत ही गम्भीर रूप से बीमार? अगर प्रत्याशा वाले सीन में खरीदी जा सकती है कार? तो फिर प्रत्याशा वाले कॉलम के साथ 10 लाख भी दिये जा सकते हैं उपचार के लिए? बस थोड़ा योजना बनाने पर करना होगा विचार ?

▸▸ **क्यों कहा कहने वाले ने कि** नामितों और निर्वाचितों को बुलाकर उनमें स्थापित कराया जाना चाहिए सद्भाव? अगर विचार नहीं भी मिल रहे तो भी बढ़ने नहीं चाहिए मतभेद और नही करना चाहिए भेदभाव? कहने वाले ने कहा कि बेहतर होगा संगठन जारी कर दे एक गाईड लाईन? सब भाजपा परिवार के हैं और आपस में ट्यूनिंग होनी चाहिए फाईन? मगर यहाँ तो हर जगह रायता फैला हुआ, कोई नहीं ला पायेगा पूरे विवाद में शाइन ?

▸▸ **क्यों कहा कहने वाले ने कि** पटेल वालों के मौहल्ले में रहने वाले नवभाजपाई ने क्या उठा दिया अशोक नगर में कोई तूफान? सुना है जूते वाले करा रहे थे घर का निर्माण? कहने वाले ने कहा कि मौहल्ले के नये भाजपाई ने शिकायत कर उन्हें कर दिया परेशान? जब पहुंची ये जानकारी कैप्टन साहब के करीबी अग्रवाल जी के पास तो वो हो गये हैरान? सुना है उन्होंने फोन किया और नये भाजपाई को बता दी अपनी पुरानी पहचान? सुना है उन्होंने फोन पर ही समझा दिया और बता दिया कि हम कुछ अलग तरह के हैं इंसान?

▸▸ **क्यों कहा कहने वाले ने कि** क्या मुरादनगर वाली विधानसभा में एक अति वरिष्ठ भाजपाई भी करेंगे दावेदारी? क्या डाक्टर साहब करेंगे इस विधानसभा से टिकट की डिमांड? कहने वाले ने कहा कि जल्द ही दिवारों पर दिखाई देगी उनकी भी दावेदारी? वो पार्टी के पुराने चेहरे हैं और होना चाहिए उनके नाम पर भी विचार? आखिर उनको भी पता है, कैसे किया जाता है सामने वाले का उपचार ?

▸▸ **क्यों कहा कहने वाले ने कि** अचानक ही जीडीए ने क्यों छेड़ा है ये अभियान? कहने वाले ने कहा कि केवल रामलीला के मैदान से लेकर खेल वाले मैदान तक नहीं रूकेगी बात? वो पहुंच रहे हैं गली मौहल्लों में भी लेकर कार्यवाही का पैगाम? कहने वाले ने कहा कि क्या भाजपा के जनप्रतिनिधि यहां देंगे जनता को राहत और करायेंगे समाधान? जब हम ये सब नजारे देखते हैं, तब ऐसा लगता है कि हमारे जनप्रतिनिधियों के हाथ में कुछ ज्यादा नहीं बचा है श्रीमान ?

▸▸ **क्यों कहा कहने वाले ने कि** पंजाबी समाज की पूरी कर दी है संगठन वालों ने मुराद? एक महामंत्री पंजाबी, दो नामित पार्षद पंजाबी और तीसरे नाम की हो सकती है मुनादी? कहने वाले ने कहा कि सियासी जुल्म तो यहां भी हो रहा है? जो कीर्तन मंडली बना रहे थे, उनके नामों का जिक्र नहीं है मगर कृपा का बादल दूसरे चेहरों को पूरा भिगो रहा है?

▸▸ **क्यों कहा कहने वाले ने कि** अगर निगम चुनाव से पहले करा लिया भाजपा ने अपने मौजूदा पार्षदों के बीहेव और टीआरपी को लेकर सर्वे? कहने वाले ने कहा कि 50 प्रतिशत से ज्यादा टिकट कटने की आ जायेगी बेला? पूरा मौहल्ला बोलेगा हमने इन्हें वोट दिये और इनमें से कोई भी हमारे हक में कभी नहीं बोला? कहने वाले ने कहा कि करंट क्राइम चाहे तो करा ले अपने मीडिया पर भी इसका एक सर्वेक्षण? कहने वाले ने कहा कि मेरी नाम और पहचान छुपाकर रखना वरना मेरी जान को हो जायेगी बहुत बड़ी टेंशन?

**नोट : उठते सवालों का करंट लेखक की व्यक्तिगत राय नहीं है, बल्कि रोजाना क्षेत्र में उठने वाली चर्चाओं का संग्रह है।**

## प्रदर्शनी

**गाजियाबाद (करंट क्राइम)।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सफल कार्यकाल की उपलब्धियों को प्रदर्शनी के माध्यम से बताया गया। विकास भवन में आयोजित इस प्रदर्शनी में शहर विधायक संजीव शर्मा पहुंचे। इस अवसर पर उनके साथ सहकारिता क्रय-विक्रय समिति के चेयरमैन वीरेन्द्र सारस्वत भी मुख्य रूप से मौजूद थे।

## अखिलेश यादव ने हमेशा जनता के हितों को सर्वोपरि रखा : धर्मवीर डबास

**गाजियाबाद, करंट क्राइम।** समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता धर्मवीर डबास ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव के नेतृत्व और दूरदर्शी सोच की सराहना की है। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव जनता की उम्मीदों के असली नेता हैं और उन्होंने हमेशा जनहित को सर्वोपरि रखा है। धर्मवीर डबास ने अखिलेश यादव की नीतियों पर प्रकाश डालते हुए निम्नलिखित प्रमुख बिंदु रखे :

**सकारात्मक और जनहितकारी सोच :** अखिलेश यादव के नेतृत्व में प्रदेश में विकास और सामाजिक न्याय को एक नई दिशा मिली है। उन्होंने अपने कार्यकाल से लेकर अब तक युवाओं, किसानों और गरीब वर्ग की समस्याओं को हमेशा प्रमुखता से उठाया है।

**सराहनीय कार्य व लोकप्रियता :** शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के क्षेत्र में उनके द्वारा की गई सकारात्मक पहल ऐतिहासिक हैं। वे हमेशा लोकतांत्रिक मूल्यों और संविधान की रक्षा के लिए मुखर रहते हैं, यही वजह है कि जनता के बीच उनकी लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है।

**नेतृत्व पर अटूट विश्वास :** समाजवादी पार्टी के प्रत्येक कार्यकर्ता को उनके नेतृत्व पर पूरा भरोसा है।

उन्होंने अंत में पूर्ण विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि अखिलेश यादव के प्रगतिशील और जनहितकारी नेतृत्व में प्रदेश और देश का भविष्य और अधिक उज्ज्वल तथा समृद्ध बनेगा।

## 12 वर्षों की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प

## विकास भवन में आयोजित भव्य कार्यक्रम में संजीव शर्मा मयंक गोयल और दिनेश गोयल रहे केंद्र में

**गाजियाबाद, करंट क्राइम।** केंद्र सरकार के सेवा, सुशासन एवं गरीब कल्याणह्व के सफल 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में बुधवार को विकास भवन, गाजियाबाद में भव्य कार्यक्रम एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सदर विधायक संजीव शर्मा और मोदीनगर विधायक डॉ. मंजू सिवाच ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर भाजपा महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल, भाजपा जिलाध्यक्ष चैनपाल सिंह और पूर्व एमएलसी दिनेश गोयल सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं नागरिक उपस्थित रहे।

उद्घाटन के उपरांत सदर विधायक संजीव शर्मा, भाजपा महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल और पूर्व एमएलसी दिनेश गोयल ने प्रदर्शनी का विस्तृत अवलोकन किया तथा विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों पर पहुंचकर योजनाओं की जानकारी ली। जनप्रतिनिधियों ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पूरी पारदर्शिता और प्रभावी ढंग से पहुंचाया जाए।

इस अवसर पर संजीव शर्मा ने कहा कि पिछले 12 वर्षों में केंद्र सरकार की योजनाओं ने गरीबों, किसानों, महिलाओं और युवाओं के जीवन में व्यापक परिवर्तन लाने का कार्य किया है। वहीं मयंक गोयल ने कहा कि सरकार की उपलब्धियों और योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने के लिए इस प्रकार के आयोजन अत्यंत उपयोगी हैं। पूर्व एमएलसी दिनेश गोयल ने कहा कि विकास और जनकल्याण को साथ लेकर चलने की नीति ने देश को नई दिशा देने का कार्य किया है।

### 15 विभागों के स्टॉलों पर उमड़ी भीड़, स्वास्थ्य कैम्प का भी मिला लाभ

**करंट क्राइम।** जिला प्रशासन द्वारा लगाए गए विभिन्न विभागों के स्टॉलों पर दिनभर नागरिकों की भीड़ रही। स्वास्थ्य, समाज कल्याण, कृषि, उद्योग, महिला कल्याण, कौशल विकास, शिक्षा, बैंकिंग और सौर ऊर्जा सहित विभिन्न विभागों ने अपनी योजनाओं की जानकारी दी। संजीव शर्मा, मयंक गोयल और दिनेश गोयल ने स्टॉलों का निरीक्षण कर अधिकारियों से योजनाओं की प्रगति की जानकारी ली तथा पात्र लाभार्थियों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने पर जोर दिया। स्वास्थ्य विभाग के स्टॉल पर बड़ी संख्या में लोगों ने स्वास्थ्य परीक्षण एवं परामर्श सेवाओं का लाभ भी उठाया। कार्यक्रम का समापन जनकल्याणकारी योजनाओं के व्यापक प्रचार-प्रसार तथा नागरिकों की सक्रिय भागीदारी के संकल्प के साथ हुआ। विकास भवन में आयोजित यह आयोजन सरकार की उपलब्धियों को जनता तक पहुंचाने के साथ-साथ जनसहभागिता और जागरूकता का भी प्रभावी माध्यम बना।

## अंकुर विहार और मसूरी सर्किल को मिले नए एसीपी अमनदीप मौर्य और अजय सिंह को सौंपी गई नई जिम्मेदारी

**गाजियाबाद, करंट क्राइम :** पुलिस कमिश्नरेट में कानून-व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के साथ आगामी त्योहारों और जनसुनवाई व्यवस्था को बेहतर ढंग से संचालित करने के उद्देश्य से पुलिस कमिश्नर जे रविंदर गौड ने दो एसीपी को नई जिम्मेदारियां सौंपी हैं। जारी आदेश के अनुसार, गैर जनपद से स्थानांतरित होकर आए अमनदीप मौर्य को एसीपी अंकुर विहार बनाया गया है, जबकि ट्रैफिक विभाग में तैनात रहे अजय सिंह को एसीपी मसूरी का चार्ज सौंपा गया है। दोनों अधिकारियों की तैनाती अग्रिम आदेश तक प्रभावी रहेगी।

पुलिस कमिश्नरेट में यह बदलाव ऐसे समय किया गया है जब आगामी त्योहारों, जनसुनवाई और कानून-व्यवस्था को लेकर पुलिस प्रशासन विशेष रणनीति पर काम कर रहा है। नए अधिकारियों को अपने-अपने सर्किल में अपराध नियंत्रण, पुलिसिंग को मजबूत करने और जनता से बेहतर संवाद स्थापित करने की जिम्मेदारी दी गई है। वहीं दूसरी ओर, हाल ही में एसीपी इंदिरापुरम अभिषेक श्रीवास्तव और एसीपी ट्रैफिक रितेश त्रिपाठी का अन्य जनपदों में तबादला हो चुका है।

हालांकि अधिकारियों की कमी के चलते अभी तक दोनों को कार्यमुक्त नहीं किया गया है और वे फिलहाल अपनी जिम्मेदारियां संभाल रहे हैं। उधर, सड़क दुर्घटना में घायल हुए एसीपी कविनगर सूर्यबली मौर्य उपचार के लिए लगभग 10 दिन की छुट्टी पर चले गए हैं। उनके पैर में चोट लगने के कारण घुटने का ऑपरेशन कराया जा रहा है।

उनकी अनुपस्थिति में एसीपी नंदग्राम जियाउद्दीन को कविनगर सर्किल की अतिरिक्त जिम्मेदारी सौंपी गई है। पुलिस कमिश्नरेट में हुए इस प्रशासनिक फेरबदल को आगामी दिनों में कानून-व्यवस्था और पुलिसिंग को और अधिक चुस्त-दुरुस्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

## एमएमजी जिला अस्पताल में कैंसर स्क्रीनिंग शिविर आयोजित, 100 से अधिक मरीजों की जांच

**गाजियाबाद, करंट क्राइम।** एमएमजी जिला अस्पताल में स्तन, गर्भाशय ग्रीवा (सर्वाकिल) और मुख कैंसर की शीघ्र पहचान व रोकथाम के लिए एक व्यापक कैंसर स्क्रीनिंग शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर युवराज सिंह फाउंडेशन द्वारा राष्ट्रीय मौखिक स्वास्थ्य कार्यक्रम एवं गैर-संचारी रोग प्रकोष्ठ के सहयोग से लगाया गया।

यह शिविर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सचिन चन्द, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. राकेश कुमार एवं नोडल अधिकारी (एनसीडी) डॉ. आर. के. गुप्ता के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। शिविर का मुख्य उद्देश्य आमजन में कैंसर के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा शुरूआती चरण में ही इस बीमारी की पहचान सुनिश्चित करना था। शिविर के दौरान 100 से अधिक मरीजों की कैंसर स्क्रीनिंग की गई। साथ ही, डॉक्टरों ने उपस्थित लोगों को कैंसर की रोकथाम, इसके जोखिम कारकों, प्रारंभिक लक्षणों और नियमित स्वास्थ्य जांच के महत्व के बारे में विस्तार से परामर्श देकर जागरूक किया।

## विबंधन का सिद्धांत रोकता है झूठे और विरोधाभासी दावे: एडवोकेट (डॉ.) श्याम वर्मा

**गाजियाबाद (करंट क्राइम)।** भारतीय न्याय संहिता की धारा 115 न्याय, सदाचार और कानूनी स्थिरता को मजबूत करने में एक अहम भूमिका निभाती है। यह बात सिविल कोर्ट गाजियाबाद के चेंबर नंबर 38 के वरिष्ठ डॉ. श्याम वर्मा (एडवोकेट) ने इस धारा के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कही।

डॉ. श्याम वर्मा ने बताया कि इस धारा का मुख्य उद्देश्य पक्षकारों (वादी या प्रतिवादी) को अपने पूर्व कथनों से अनुचित रूप से मुकरने से रोकना है। कानून की भाषा में इसे 'विबंधन का सिद्धांत' कहा जाता है। यदि कोई व्यक्ति अपने कथन, व्यवहार या आचरण से दूसरे व्यक्ति को किसी तथ्य पर विश्वास दिलाता है, तो बाद में वह कानूनी रूप से उस तथ्य का खंडन नहीं कर सकता। इस सिद्धांत का मुख्य आधार सद्भावना और उचित विश्वास है। उन्होंने इस धारा की महत्ता को रेखांकित करते हुए निम्नलिखित प्रमुख बिंदु सामने रखे :

**ईमानदारी और समय की बचत :** यह सिद्धांत न्यायिक प्रक्रिया में पूरी ईमानदारी और निष्पक्षता बनाए रखने में सहायक है। साथ ही, यह विरोधाभासी दावों को रोककर न्यायालय का बहुमूल्य समय भी बचाता है।

**अनुबंध और संपत्ति विवादों में महत्व :** कई संपत्ति और अनुबंध (कॉन्ट्रैक्ट) संबंधी दीवानी विवादों में इस धारा का विशेष महत्व देखा जाता है। वकीलों के लिए यह धारा मुकदमों की रणनीति तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

**कानूनी रक्षा :** जब कोई व्यक्ति दूसरे के आचरण पर भरोसा करके कोई कार्य करता है, तो कानून इस धारा के माध्यम से उसकी पूरी रक्षा करता है।

उन्होंने अंत में कहा कि न्यायालय प्रत्येक मामले के तथ्यों और परिस्थितियों के आधार पर ही इस धारा का बारीकी से परीक्षण करता है। यह धारा पक्षकारों के आचरण को एक ठोस कानूनी महत्व प्रदान करती है।